कानपुर, गुरुवार, 30 अप्रैल, 2026
वर्ष: 03, अंक: 107, पृष्ठ: 8+4

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com
Website: www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

इनसाइड महिला आरक्षण पर सदन में संग्राम...>Pg07

80 करोड़ की साइबर ठगी का ...>Pg03

मूल्य: 2 ₹

मुंबई में रह रहे कल्याण दत्त-नारायण दत्त के नाम पर खेला गया फर्जीवाड़ा उजागर

बिल्हौर: फर्जी रजिस्ट्री में बड़ी कार्रवाई

तहसील से एकपक्षीय आदेश निरस्त

❍ कामिनी पत्नी रोहित का नाम खतौनी से हटाने के आदेश जारी

स्वराज इंडिया
खबर का असर

अनूप अवस्थी, स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर के बिल्हौर तहसील क्षेत्र के ग्राम बकोठी में सामने आए चर्चित फर्जी रजिस्ट्री कांड में अब प्रशासनिक मुहर लग गई है। नायब तहसीलदार बिल्हौर चन्द्र प्रकाश राजपूत ने एक अहम आदेश जारी करते हुए 17 नवंबर 2025 को पारित एक पक्षीय आदेश को निरस्त कर दिया है। साथ ही खतौनी में दर्ज फर्जी नाम को हटाकर मूल खातेदारों का नाम बहाल करने के निर्देश दिए हैं। यह वही मामला है जिसे *'स्वराज इंडिया' अखबार* ने प्रमुखता से उजागर किया था, जिसमें करीब चार दशक से मुंबई में रह रहे चाचा की जमीन को गांव में ही भतीजे और उसके सहयोगियों द्वारा फर्जी दस्तावेज तैयार कर बेच दिए जाने का आरोप सामने आया था।

नायब तहसीलदार चन्द्र प्रकाश राजपूत द्वारा जारी आदेश में यह स्पष्ट

न्यायालय :- नायब तहसीलदार,बिल्हौर
मण्डल :कानपुर , जनपद :कानपुर नगर , तहसील :बिल्हौर
कम्प्यूटरीकृत वाद संख्या:- T202503410211156
वाद संख्या:- 11156/2025
कामिनी बनाम कल्याण दत्त
उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता - 2006 , अंतर्गत धारा:- 34/35
" अंतिम आदेश "
आदेश तिथि:- 13/03/2026

निर्णय

प्रस्तुत वाद विशोक कुमार राजस्व निरीक्षक (कार्यालय कार्य) द्वारा दिनांक 28.02.2026 को इस आशय से प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है, कि ग्राम बकोठी तहसील बिल्हौर जनपद कानपुर नगर की खतौनी फसली वर्ष 1429-1434फ0 के खाता सं० 106 की गाटा सं0 486 रकबा 0.195080 व गाटा सं० 488 रकबा 0.1750हे0 कुल 2 किता रकबा 0.3700हे0 पर खातेदार कल्यान दत्त व नारायन दत्त पुत्रगण ओमकार नाथ निवासी ग्राम बकोठी तहसील बिल्हौर जनपद कानपुर नगर का संक्रमणीय भूमिधर दर्ज अभिलेख था। उक्त भूमि का बैनामा दिनांक 30.07.2025 को क्रेता श्रीमती कामिनी पत्नी रोहित निवासी ग्राम बकोठी तहसील बिल्हौर जनपद कानपुर नगर के हक में किया गया। न्यायालय में वाद पंजीकृत कर इश्तहार जारी किया गया। कोई आपत्ति नही आयी। न्यायालय द्वारा अविवादित होने के कारण क्रेता के पक्ष में दिनांक 17.11.2025 को नामान्तरण आदेश पारित किया गया। दैनिक समाचार पत्र स्वराज इंडिया में प्रकाशित हुआ, कि उत्तर प्रदेश सरकार और राजस्व विभाग के भू माफिया दावों की पोल खोलता है। एक सनसनी खेज मामला कानपुर जिले की तहसील बिल्हौर से सामने आया है। यहां ग्राम बकोठी में 40-45 वर्षों से मुम्बई में रह रहे एक व्यक्ति की जमीन को फर्जी विक्रेता खड़ा कर रजिस्ट्री करा दी गयी। हैरानी की बात यह है कि यह सब गवाहो वकीलो बायोमैट्रिक पहचान और रजिस्ट्री कार्यालय की मौजूदगी में हुआ और किसी को भनक तक नहीं लगी। सूत्रो के अनुसार मामला संक्रमणीय भूमिधर की आराजी सं0 486 रकबा 0.1950हे० व गाटा सं0 488 रकबा 0.1750 हे0 कुल 2 किता रकबा 0.3700हे० भूमि से जुड़ा है। दस्तावेजो में इस जमीन की रजिस्ट्री 30 जुलाई 2025 को दर्शायी गयी है। जिसमें विक्रेता के रूप में कल्याण दत्त व नरायन दत्त पुत्रगण ओमकार नाथ के नाम दर्ज है। जबकि ग्रामीणों व ग्राम प्रधान का साफ कहना है, कि असल मालिक बीते चार दशक से मुम्बई में रेलवे सेवा में कार्यरत है और गांव उनका कोई सम्पर्क नही रहा। उक्त के संबंध में क्षेत्रीय लेखपाल से जांच करायी गयी। उन्होने अपनी जांच आख्या में उल्लेख किया है, कि ग्रामवासियों द्वारा बताया गया कि खातेदार काफी समय से गांव में निवास नहीं कर रहे है। उनके स्थान पर अन्य व्यक्तियों द्वारा बैनामा किया गया है। न्यायालय से अनुरोध है, कि अखबार में प्रकाशित खबर व लेखपाल आख्या से स्पष्ट है, कि खतौनी में अंकित खातेदारों से भिन्न किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा ग्राम बकोठी की गाटा सं0 486 रकबा 0.1950 हे0 व गाटा सं0 488 रकबा 0.1750हे0 कुल 2 किता रकबा 0.3700हे० भूमि दिनाक 30.07.2025 को विक्रय किया गया है। उक्त साक्ष्यों के आधार पर न्यायालय द्वारा पारित एक पक्षीय आदेश दिनांक 17.11.2025 निरस्त करने की कृपा करें।

विक्रेतागणों को सम्मन जारी किया गया। इश्तहार बाद तामील पत्रावली पर उपलब्ध है। तामीला में यह आख्या लगी है, कि विक्रेतागण ग्राम में 40- 50 वर्षों से निवास नहीं करते है। तामीला में उपलब्ध आख्या व लेखपाल की आख्या से स्पष्ट है, कि विक्रेतागण ग्राम में 40- 50 वर्षों से ग्राम में निवास नही कर रहे है। किसी अन्य व्यक्तियों के द्वारा खातेदार के नाम से विक्रय किया जाना प्रतीत होता है। पूर्व पारित एक पक्षीय आदेश दिनांक 17.11.2025 निरस्त होने योग्य है। अतः

आदेश

❍ स्वराज इंडिया के खुलासे के बाद जांच में सामने आई साजिश

हुआ है कि जिस जमीन का बैनामा प्रस्तुत किया गया, उसके कथित विक्रेता कल्याण दत्त व नारायण दत्त पिछले 40–50 वर्षों से गांव में रह ही नहीं रहे थे। ऐसे में उनके नाम पर हुआ विक्रय फर्जी प्रतीत होता है। मामला तब सुर्खियों में आया जब स्वराज इंडिया

❍ करीब चार दशक से गांव से बाहर लोगों की फर्जी रजिस्ट्री से जमीन हड़पने की कोशिश फेल

ने पूरे फर्जीवाड़े का खुलासा किया। इसके बाद प्रशासन हरकत में आया और जिला एवं लखनऊ स्तर पर जांच शुरू कराई गई। राजस्व टीम को गांव भेजकर तथ्यात्मक जांच कराई गई। लेखपाल की जांच रिपोर्ट में ग्रामवासियों ने भी यह पुष्टि की है कि वास्तविक खातेदार वर्षों से मुंबई में रह रहे हैं। वहीं तामीला रिपोर्ट में भी स्पष्ट दर्ज हुआ कि कथित विक्रेता लंबे समय से गांव में मौजूद नहीं हैं। इस पूरे प्रकरण में राजस्व निरीक्षक (कार्यालय कार्य) विशोक कुमार द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र के आधार पर मामले की पुनः जांच शुरू हुई, जिसके बाद पूर्व नामांतरण आदेश को निरस्त कर दिया गया। इन साक्ष्यों के आधार पर न्यायालय ने माना कि खातेदारों के नाम पर अन्य व्यक्तियों द्वारा फर्जी तरीके से बैनामा कराया गया।

कानपुर, मंगलवार, 3 फरवरी, 2026
वर्ष: 03, अंक: 34, पृष्ठ: 8+4
सच्चाई के दम पर जोश के साथ...
सांध्यकालीन समाचार पत्र
स्वराज इंडिया
बड़ा भू-घोटाला बेनकाब
मुंबई में बैठे चाचा की जमीन
बिल्हौर में भतीजे ने बेच दी
स्वराज इंडिया एक्सक्लूसिव
चोर पर मोर! ब्लैकमेलिंग का नया खेल
गुमनामी बनी हथियार, जालसाजों ने खेला खेल
विक्रेता के नाम के आगे लिखा क्रेता के पति का मोबाइल नंबर
जमीन क्रेता का पति ही बना है गवाह

स्वराज इंडिया ने 3 फरवरी 2026 के अंक में किया था खुलासा

स्वराज इंडिया
कानपुर सिटी
बिल्हौर तहसील क्षेत्र में नियम कायदों की धज्जियां उड़ाकर हड़पी जा रही जमीनें
फर्जीवाड़े से अनजान बने बैठे हैं
बिल्हौर तहसील के रजिस्ट्रार
कार्यालय उप निबन्धक
बड़ा भू-घोटाला बेनकाब
मुंबई में बैठे चाचा की जमीन
बिल्हौर में भतीजे ने बेच दी

राजस्व सुधार शुरू, लेकिन कार्रवाई पर सस्पेंस

न्यायालय के आदेश के बाद राजस्व अभिलेखों में संशोधन की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। खतौनी में नाम परिवर्तन और मूल खातेदारों की बहाली की कार्रवाई आगे बढ़ रही है, लेकिन मामला यहीं समाप्त होता नहीं दिख रहा है।दरअसल, जांच रिपोर्ट और न्यायालयीय आदेश में सामने आए तथ्यों ने पूरे प्रकरण को केवल राजस्व त्रुटि तक सीमित नहीं रहने दिया है, बल्कि यह गंभीर फर्जीवाड़े की ओर संकेत करता है। खातेदारों की लंबे समय से अनुपस्थिति के बावजूद भूमि का बैनामा होना और दस्तावेजी प्रक्रिया का पूरा होना कई सवाल खड़े कर रहा है। इसी पृष्ठभूमि में अब यह चर्चा तेज हो गई है कि जब फर्जीवाड़े के स्पष्ट संकेत सामने आ चुके हैं, तो संबंधित व्यक्तियों तथा इस प्रक्रिया में शामिल सभी पक्षों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर आपराधिक जांच शुरू की जानी चाहिए।

नायब तहसीलदार कोर्ट का आदेश

बिल्हौर तहसील के ग्राम बकोठी में सामने आए विवादित भूमि प्रकरण में नायब तहसीलदार चन्द्र प्रकाश राजपूत ने 17 नवंबर 2025 के एक पक्षीय आदेश को निरस्त करते हुए महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। न्यायालय ने लेखपाल जांच आख्या और तामीला रिपोर्ट के आधार पर माना कि जिन खातेदारों के नाम पर भूमि विक्रय दर्शाया गया, वे लंबे समय से ग्राम में निवास नहीं कर रहे थे।आदेश में स्पष्ट किया गया है कि खतौनी से श्रीमती कामिनी पत्नी रोहित का नाम हटाया जाए तथा मूल खातेदार कल्याण दत्त व नारायण दत्त (पुत्र ओमकारनाथ) का नाम पुनः संक्रमणीय भूमिधर के रूप में दर्ज किया जाए। साथ ही अमल दरामद के लिए परवाना जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। इस आदेश के बाद राजस्व अभिलेखों में बड़ा संशोधन तय माना जा रहा है, जबकि पूरे प्रकरण में आगे की कानूनी प्रक्रिया पर नजर बनी हुई है।

प्रणाली पर उठे गंभीर सवाल बायोमेट्रिक सत्यापन भी संदेह के घेरे में

बिल्हौर के बकोठी प्रकरण में जिस तरह खातेदारों की अनुपस्थिति के बावजूद जमीन का बैनामा दर्ज हो गया, उसने पूरी रजिस्ट्री व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सबसे अहम सवाल यह है कि जब कथित विक्रेता पिछले 40-50 वर्षों से गांव में मौजूद ही नहीं थे, तो रजिस्ट्री कार्यालय में उनकी पहचान और उपस्थिति की पुष्टि कैसे हुई।दस्तावेजी प्रक्रिया और बायोमेट्रिक सत्यापन के बावजूद फर्जीवाड़े का संपन्न हो जाना सिस्टम की गंभीर चूक की ओर इशारा कर रहा है। मामला यह भी सवाल खड़ा करता है कि क्या यह केवल तकनीकी खामी है या अंदरूनी मिलीभगत के बिना ऐसा संभव ही नहीं था।स्थानीय स्तर पर रजिस्ट्री प्रक्रिया की निगरानी और सत्यापन तंत्र की विश्वसनीयता अब सीधे जांच के दायरे में आ गई है।

मेयर प्रमिला पांडे ने फूलबाग लाइब्रेरी के डिजिटल रूपांतरण कार्यों का किया निरीक्षण

लाइब्रेरी में ई-लर्निंग जोन, डिजिटल रीडिंग एरिया, हाईस्पीड इंटरनेट और ऑनलाइन अध्ययन सामग्री जैसी सुविधाएं मिलेंगी

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। शहर के फूलबाग स्थित लाइब्रेरी को आधुनिक डिजिटल लाइब्रेरी में परिवर्तित करने के चल रहे कार्यों का गुरुवार को महापौर प्रमिला पांडे ने अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लेते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

महापौर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि करीब 10 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हो रही इस महत्वाकांक्षी परियोजना में गुणवत्ता और समयसीमा का विशेष ध्यान रखा जाए।

उन्होंने कहा कि यह डिजिटल लाइब्रेरी शहर के छात्रों, प्रतियोगी परीक्षार्थियों और शोधकर्ताओं के लिए एक बड़ा केंद्र बनेगी, जहां आधुनिक तकनीक के माध्यम से अध्ययन की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

निरीक्षण के दौरान मुख्य अभियंता सैय्यद फरीदी अहमद जैदी ने बताया कि लाइब्रेरी में ई-लर्निंग जोन, डिजिटल रीडिंग एरिया, हाईस्पीड इंटरनेट और

ऑनलाइन अध्ययन सामग्री जैसी सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। महापौर ने इन व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ बनाने के निर्देश देते हुए कहा कि यह परियोजना शहर की शैक्षिक गुणवत्ता को नई ऊंचाई देगी ।उन्होंने यह भी कहा कि डिजिटल लाइब्रेरी बनने के बाद युवाओं को एक ही स्थान पर सभी जरूरी संसाधन मिलेंगे, जिससे उनकी पढ़ाई और प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी को बड़ा लाभ मिलेगा।

व्यापार बंधु बैठक में उठे स्थानीय मुद्दे डीएम ने दिए त्वरित समाधान के निर्देश

कानपुर में प्रशासन और व्यापारियों के बीच समन्वय बढ़ाने पर जोर

मंदिर हटाने, पब्लिक टॉयलेट और प्रदूषण जैसे मुद्दों पर हुई चर्चा

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में आयोजित व्यापार बंधु बैठक में शहर से जुड़े विभिन्न जनसमस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में व्यापारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याएं रखते हुए त्वरित समाधान की मांग की, जिस पर जिलाधिकारी ने गंभीरता दिखाते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

बैठक के दौरान कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन के मुख्य द्वार के सामने स्थित मंदिर को हटाने के मुद्दे पर चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने इस विषय पर एसीपी और व्यापारियों के साथ अलग से बैठक कर एक दिन निर्धारित करने के निर्देश दिए, ताकि सभी पक्षों की सहमति से समाधान निकाला जा सके।

व्यापारी प्रतिनिधि पुष्पेंद्र जायसवाल ने पब्लिक टॉयलेट (पिंक टॉयलेट) के निर्माण में नगर निगम द्वारा कोई कार्रवाई न होने का मुद्दा उठाया। इस पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताते हुए कहा कि इस तरह की छोटी समस्याएं व्यापार बंधु बैठक की गरिमा को प्रभावित करती हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस कार्य को अपनी निधि से पूरा कराया जाएगा।

इसके अलावा पनकी पावर हाउस से उड़ने वाली राख की समस्या भी प्रमुखता से उठाई गई। इस पर उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से बताया गया कि कोयले की अनलोडिंग के दौरान वैगन ट्रिपलर क्षेत्र में स्प्रिंकलर सिस्टम पहले सही से संचालित नहीं हो रहा था, जिसे अब सुचारू रूप से चालू कर दिया गया है। इससे राख के फैलाव में कमी आई है। बैठक में विजय पंडित, संजय सिंह, विक्रम पांडे, आमिर सिद्दीकी, ईश्वर वर्मा, सुरेश नारायण त्रिवेदी, अंशु त्रिपाठी, कृपा शंकर और रोशन अरोड़ा समेत कई व्यापारी उपस्थित रहे।

गुजरात स्थापना दिवस पर छात्रों ने किया बिठूर का भ्रमण

विद्यार्थियों में ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहर के प्रति विशेष रुचि देखने को मिली

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। गुजरात स्थापना दिवस (1 मई) के उपलक्ष्य में उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय केन्द्र कानपुर द्वारा गुरुवार को ऐतिहासिक स्थल बिठूर का शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 8ः30 बजे हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने बिठूर स्थित प्रसिद्ध नाना राव पार्क का अवलोकन किया, जहां 1857 की क्रांति की पहली चिंगारी भड़की थी। इस स्थल का ऐतिहासिक महत्व बताते हुए समन्वयकों ने छात्रों को स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। बताया गया कि इसी क्षेत्र में वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई ने युद्धकौशल और तलवारबाजी का अभ्यास किया था। इसके बाद छात्र-छात्राओं ने गंगा तट स्थित पौराणिक महाकालेश्वर शिव मंदिर में दर्शन-पूजन किया और गंगा नदी के पावन तट पर आचमन कर आध्यात्मिक अनुभव प्राप्त किया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों में ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहर के प्रति विशेष रुचि देखने को मिली। सभी ने भ्रमण को ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक बताया। कार्यक्रम का संचालन क्षेत्रीय समन्वयक डा. रेखा त्रिपाठी के मार्गदर्शन में किया गया। उन्होंने बताया कि ऐसे शैक्षणिक भ्रमण से छात्रों को इतिहास को करीब से समझने और अपनी सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने का अवसर मिलता है।

एआई जेनरेटेड प्रतीकात्मक फोटो

80 करोड़ की साइबर ठगी का 'तिहाड़ कनेक्शन'

मास्टरमाइंड के नेटवर्क से खुलेंगे अंतरराष्ट्रीय राज

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। शहर में सामने आए 80 करोड़ रुपये के विशाल साइबर ठगी कांड ने अब नया मोड़ ले लिया है। पुलिस की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे इस संगठित अपराध के गहरे और अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन उजागर हो रहे हैं। नौबस्ता थाना पुलिस ने इस मामले में तिहाड़ जेल में बंद मुख्य आरोपी अजय मोची को पूछताछ के लिए लाने की तैयारी तेज कर दी है। इसके लिए अदालत से बी वारंट जारी कराया गया है, जिससे उम्मीद है कि इस हाई-प्रोफाइल ठगी रैकेट की परतें खुलेंगी।

एआई जेनरेटेड प्रतीकात्मक फोटो

यह पूरा मामला यशोदा नगर निवासी दवा कारोबारी अमित राठौर के साथ हुई साइबर ठगी से जुड़ा है। शुरुआती जांच में पुलिस ने फाजिल्का के अबोहर निवासी गलशन और करण कसेरा को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। लेकिन जैसे-जैसे डिजिटल ट्रेल खंगाली गई, एक चौंकाने वाला खुलासा सामने आया—ठगी की रकम कई लेयर पार करते हुए अंततः दिल्ली

- ➪ बी वारंट के जरिए तिहाड़ में बंद आरोपी से होगी पूछताछ
- ➪ कानपुर से जुड़े तार, विदेशी नेटवर्क तक पहुंची जांच

स्थित अजय मोची के बैंक खाते तक पहुंची। पुलिस के अनुसार, महज तीन महीनों में अजय मोची के खाते में करीब 80 करोड़ रुपये का लेनदेन हुआ, जो इस पूरे रैकेट के पैमाने को दर्शाता है। वहीं, करण कसेरा के फर्म खाते में लगभग 3 करोड़ रुपये और उसके पिता अशोक के खाते में भी भारी ट्रांजेक्शन पाए गए हैं। इन संदिग्ध लेनदेन पर आयकर विभाग ने नोटिस जारी कर जांच शुरू कर दी है।

जांच एजेंसियों को करण कसेरा के मोबाइल फोन से अहम डिजिटल साक्ष्य मिले हैं। इसमें 10 व्हाट्सएप और 15 टेलीग्राम ग्रुप शामिल हैं, जिनमें श्रीलंका, बांग्लादेश समेत कई देशों के संदिग्ध संपर्क जुड़े हुए हैं। इसके अलावा 50 से अधिक यूपीआई क्यूआर कोड और 11 हस्ताक्षरित चेक भी बरामद हुए हैं, जो इस गिरोह के संगठित और सुनियोजित तरीके से काम करने की पुष्टि करते हैं। थाना प्रभारी बहादुर सिंह का कहना है कि तिहाड़ जेल में बंद अजय मोची से पूछताछ इस केस की 'मिसिंग कड़ी' साबित हो सकती है। पुलिस को उम्मीद है कि पूछताछ के बाद न केवल पूरे नेटवर्क का खुलासा होगा, बल्कि इस साइबर ठगी के अंतरराष्ट्रीय लिंक भी पूरी तरह सामने आएंगे।

एडीजी आलोक सिंह बने डीजी शासन ने जारी किया आदेश

मुख्य संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। 1995 बैच के आईपीएस अधिकारी आलोक सिंह को पदोन्नत करते हुए पुलिस महानिदेशक (डीजी) बना दिया गया है। वर्तमान में वह कानपुर जोन में एडीजी के पद पर कार्यरत हैं। शासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार उनकी यह पदोन्नति वरिष्ठता और सेवाकाल के आधार पर की गई है।

आलोक सिंह को एक अनुभवी और सख्त छवि वाले अधिकारी के रूप में जाना जाता है। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और अपराध नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कानपुर जोन में रहते हुए भी उन्होंने कई अहम अभियानों का सफल संचालन किया। पदोन्नति के बाद

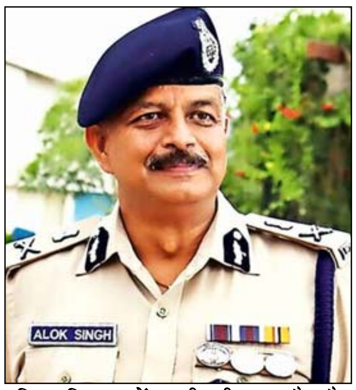

पुलिस विभाग में खुशी की लहर है और अधिकारियों व कर्मचारियों ने उन्हें बधाई दी है। शासन के इस निर्णय को प्रशासनिक मजबूती की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

कल्याणपुर बाल गृह से दो छात्र फरार स्टेशन की ओर भागते सीसीटीवी में कैद

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। कल्याणपुर स्थित राजकीय बाल गृह से पढ़ने गए दो नाबालिग छात्र बुधवार को संदिग्ध परिस्थितियों में फरार हो गए। दोनों छात्रों ने विद्यालय में पानी पीने का बहाना बनाया और दीवार फांदकर भाग निकले। जब वापसी के समय छात्रों की गिनती हुई तो दो छात्र कम पाए गए, जिससे हड़कंप मच गया।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। विद्यालय के सीसीटीवी कैमरे चेक किए गए, लेकिन कई कैमरे खराब पाए गए। इसके बाद पुलिस ने आसपास के प्रतिष्ठानों के कैमरे खंगाले। एक ज्वेलर्स की दुकान के सीसीटीवी फुटेज में दोनों छात्र कल्याणपुर रेलवे स्टेशन की ओर

- ➪ पानी पीने के बहाने दीवार फांदकर निकले, पुलिस की दो टीमें तलाश में जुटीं

जाते दिखाई दिए।

राजकीय बाल गृह के सहायक अधीक्षक रतन सिंह वर्मा के अनुसार, कार्तिक (15) और शिवा सिंह (12) बीते 25 जून 2026 से बाल गृह में रह रहे थे। कार्तिक नौबस्ता के गंगपुर का निवासी है, जबकि शिवा सिंह ने अपना पता फतेहपुर बताया था। दोनों के परिजन उन्हें अपने साथ ले जाने को तैयार नहीं थे, जिसके चलते वे बाल गृह में रह रहे थे।

बुधवार सुबह करीब 9:50 बजे छह बच्चे रोज की तरह आश्रम पद्धति विद्यालय पढ़ने गए थे। दोपहर 12:30 बजे लंच के दौरान दोनों छात्र पानी पीने के बहाने निकले और फरार हो गए।

एसीपी कल्याणपुर आशुतोष कुमार ने बताया कि छात्रों की तलाश के लिए दो पुलिस टीमें गठित की गई हैं। सहायक अधीक्षक की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर खोजबीन तेज कर दी गई है। पुलिस को उम्मीद है कि दोनों छात्रों को जल्द सकुशल बरामद कर लिया जाएगा।

सामाजिक सक्रियता का मिला सम्मान, चिकित्सा व महिला कल्याण क्षेत्र में बेहतर योगदान की उम्मीद

राज्य सरोगेसी व एआरटी बोर्ड में पूनम द्विवेदी की एंट्री, भाजपा कार्यालय में जोरदार स्वागत

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा राज्य सहायता प्राप्त जननीय प्रौद्योगिकी एवं सरोगेसी बोर्ड के पुनर्गठन में राज्य महिला आयोग की सदस्य पूनम द्विवेदी को सदस्य मनोनीत किया गया है। इस नियुक्ति के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई और क्षेत्रीय कार्यालय में उनका भव्य स्वागत किया गया।

भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने पूनम द्विवेदी को पुष्पगुच्छ भेंट कर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह मनोनयन उनके सामाजिक कार्यों और संगठन के प्रति समर्पण का परिणाम है। उन्होंने भरोसा जताया कि बोर्ड में उनकी सक्रिय भागीदारी से महिला स्वास्थ्य और चिकित्सा सेवाओं से जुड़े मुद्दों पर प्रभावी कार्य होगा।

कार्यक्रम के दौरान भाजपा क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी अनूप अवस्थी ने बताया कि इस नियुक्ति से क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे का मुंह मीठा कर खुशी जाहिर की।

इस मौके पर क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अनीता गुप्ता, क्षेत्रीय मंत्री पवन प्रताप सिंह, आलोक शुक्ला, वीरेंद्र तिवारी, पवन पांडे, जयंती राजपूत और अर्शी सुल्तान समेत कई पदाधिकारियों ने पूनम द्विवेदी को बधाई देते हुए विश्वास जताया कि वह अपनी नई जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी निष्ठा और प्रभावशीलता के साथ करेंगी।

वीरभान सिंह को भावुक माहौल के बीच दी गई सम्मानपूर्ण विदाई

सेवानिवृत्ति समारोह में शिक्षकों-छात्रों ने जताया स्नेह, नए प्रधानाचार्य दयाशंकर त्रिपाठी ने संभाला कार्यभार

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जनता इंटर कॉलेज कहिंजरी में गुरुवार को प्रधानाचार्य वीरभान सिंह के सेवानिवृत्ति अवसर पर गरिमामय एवं भावुक विदाई समारोह आयोजित किया गया। समारोह के दौरान विद्यालय परिसर का माहौल अत्यंत भावुक हो गया और कई शिक्षकों व छात्रों की आंखें नम हो गईं।कार्यक्रम की शुरुआत स्वागत एवं सम्मान के साथ हुई, जहां शिक्षकों और विद्यार्थियों ने फूल-मालाएं व उपहार भेंट कर वीरभान सिंह के योगदान को सराहा। कई छात्र अपने प्रिय प्रधानाचार्य से लिपटकर रो पड़े, जिससे माहौल और भी भावुक हो उठा। अपने संबोधन में वीरभान सिंह ने कहा कि शिक्षक समाज का अभिन्न अंग होता है और समाज सुधार की नींव भी शिक्षक ही रखते हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने वर्ष 1991 में इसी कॉलेज से शिक्षक के रूप में सेवा शुरू की और 2009 में प्रधानाचार्य बनने के बाद विद्यालय के विकास के लिए निरंतर कार्य किया। नवनियुक्त प्रधानाचार्य दयाशंकर त्रिपाठी ने कहा कि वीरभान सिंह का मार्गदर्शन सभी के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा।इस अवसर पर अरविंद शुक्ला, बृजमोहन सिंह, विनोद गुप्ता, अवधनाथ त्रिपाठी, महावीर द्विवेदी, अनिल बाजपेई, मनोज शुक्ला, नवीन चतुर्वेदी, संदीप अवस्थी, बृजेश अवस्थी, उमेश द्विवेदी, सुनील मिश्रा, दिनेश मिश्रा, मनोज राठौर, ऋषिकांत तिवारी, सौरभ मिश्रा, इंद्रजीत सिंह, कैलाश पाल, जगदीश सिंह और आनंद तिवारी सहित अनेक शिक्षक मौजूद रहे।

पत्रकार अनुज पांडे की माता जी का निधन

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रूरा कस्बा निवासी पत्रकार अनुज पांडे की 70 वर्षीय माता बिमला देवी का आज निधन हो गया। कोई काफी दिन से बीमार चल रही थीं, उनके निधन की खबर मिलते ही क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।स्व. बिमला देवी एक सरल, धार्मिक एवं मिलनसार स्वभाव की महिला थीं। उनके निधन पर स्थानीय लोगों, पत्रकारों एवं समाजसेवियों ने गहरा दुःख व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

निर्माणाधीन अस्पताल में चोरी गुल्लक तोड़कर 25 हजार पार

सीसीटीवी में कैद तीन शातिर, पुलिस ने शुरू की तलाश

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कल्याणपुर थाना क्षेत्र में शातिर चोरों ने एक निर्माणाधीन अस्पताल को निशाना बनाते हुए गुल्लक में रखे हजारों रुपये पार कर दिए। पूरी वारदात वहां लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है, जिसके आधार पर पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है।

नया शिवली रोड निवासी शुभम यादव ने बताया कि वह **'मां शक्ति नर्सिंग होम'** के नाम से अस्पताल का निर्माण करा रहे हैं।

बुधवार रात करीब 9 बजे काम खत्म कर मुख्य गेट पर ताला लगाकर घर चले गए थे। देर रात करीब 1:48 बजे तीन अज्ञात चोर अस्पताल परिसर में घुस आए और कार्यालय में रखी गुल्लक तोड़कर करीब 25 हजार रुपये निकाल ले गए।

गुरुवार सुबह जब संचालक अस्पताल पहुंचे तो गुल्लक टूटी मिली और नकदी गायब थी। इसके बाद सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए, जिसमें तीनों शातिर अस्पताल में घूम-घूमकर चोरी करते स्पष्ट नजर आए। घटना की सूचना तुरंत डायल 112 पर दी गई। मौके पर पहुंची कल्याणपुर पुलिस ने जांच शुरू करते हुए सीसीटीवी फुटेज कब्जे में ले लिया है। थाना प्रभारी संतोष कुमार सिंह ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और आरोपियों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

प्लेटफार्म पार करना पड़ा भारी दिव्यांग व्यक्ति की ट्रेन से कटकर मौत

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। पुखरायां गुरुवार को रेलवे स्टेशन पर एक बेहद दर्दनाक हादसा सामने आया, जहां लगभग 45 वर्षीय एक दिव्यांग व्यक्ति की ट्रेन की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद स्टेशन परिसर में अफरा-तफरी मच गई और यात्रियों में दहशत फैल गई।

जानकारी के अनुसार, दिव्यांग व्यक्ति 11408 अप एक्सप्रेस से झांसी जाने के लिए स्टेशन पर आया था। उसे प्लेटफार्म संख्या 2 पर जाना था, लेकिन उसने जल्दबाजी में फुटओवर ब्रिज का उपयोग करने के बजाय सीधे रेलवे ट्रैक पार करना शुरू कर दिया। उसी समय हल्की बारिश हो रही थी, जिससे ट्रैक फिसलन भरे हो गए थे और दृश्यता भी कम थी इसी बीच लखनऊङ्कपुणे एक्सप्रेस तेज गति से प्लेटफार्म की ओर आ रही थी। ट्रैक पार करते समय व्यक्ति अचानक ट्रेन की चपेट में आ गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई और शरीर के चीथड़े तक उड़ गए। घटना की सूचना सबसे पहले ट्रेन के गार्ड ने ऑन ड्यूटी स्टेशन प्रबंधक दीपक कुमार को दी। सूचना मिलते ही स्टेशन प्रबंधक ने तत्परता दिखाते हुए जीआरपी को मेमो जारी किया। इसके बाद जीआरपी टीम मौके पर पहुंची, शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू की और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल मृतक की पहचान कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि पहचान होने के बाद परिजनों को सूचना दी जाएगी।

तेज रफ्तार वाहन ने बाइक में मारी टक्कर, युवक की मौत

इकलौते बेटे की मौत से बुझ गया घर का चिराग, परिवार में मचा कोहराम

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। घाटमपुर थाना क्षेत्र के मुगल रोड स्थित एक गेस्ट हाउस के पास तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवक को जोरदार टक्कर मार दी। इस दर्दनाक हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों और साथियों की मदद से घायल युवक को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, घाटमपुर पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक देखते हुए उसे जिला अस्पताल, कानपुर रेफर कर दिया।जानकारी के अनुसार जिला अस्पताल में इलाज के दौरान युवक ने दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान सूरज (19 वर्ष) निवासी ग्राम मलासा, कानपुर देहात के रूप में हुई है।परिवार में मां बिटोला , पिता राजेश सिंह, बड़ी बहन पूनम और छोटी बहन राखी हैं। इकलौते बेटे की असमय मौत से घर का चिराग बुझ गया और परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। मां बेसुध हो गई, तो पिता और बहनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में भी शोक की लहर दौड़ गई है और हर आंख नम नजर आ रही है।

सम्पादकीय

गहन चिकित्सा देखभाल के संवेदनशील दिशानिर्देश

अक्सर ऐसी खबरें सामने आती रहती हैं कि देश के किसी भाग में किसी निजी अस्पताल के आईसीयू में भर्ती मरीज के ठीक होने या ठीक होने की संभावना के बावजूद उसे डिस्चार्ज नहीं किया जाता है। वजह होती है कि अस्पताल का अनवरत गति से चलने वाला कमाई का मीटर। निस्संदेह, आधुनिक चिकित्सा खर्चीली हो गई और बेहतर सुविधाओं के लिए बड़ी रकम चुकानी होती है। लेकिन इस व्यवस्था का मानवीय व संवेदनशील होना अपरिहार्य है। इसके नियमन का कार्य यूं तो देश के नीति-नियंताओं और शासन-प्रशासन को करना चाहिए था।

लेकिन विडंबना यह है कि अदालत को ऐसे मामलों में पहल करनी पड़ती है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा एक समान गहन चिकित्सा ईकाई दिशानिर्देशों की जरूरत बताना विसंगतियों से जूझती आईसीयू प्रणाली के लिए एक आशा की किरण लेकर आई है। इन दिशानिर्देशों में यह निर्दिष्ट किया गया है कि चिकित्सकीय रूप से स्थिर हो चुके या जिन मरीजों के अंगों को बाहरी सहायता अथवा शारीरिक निगरानी की आवश्यकता नहीं होती, उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी जानी चाहिए। उन्हें अन्य सामान्य वार्डों में स्थानांतरित किया जा सकता है। निश्चित रूप से न्यायालय के ये निर्देश चिकित्सकीय और नैतिक दोनों ही हैं। जो बताते हैं कि जरूरी न होने के बावजूद मरीज को लंबे समय तक आईसीयू में रखना अनुचित है। यह एक हकीकत है कि मानकीकृत आईसीयू प्रोटोकॉल के अभाव में एक अस्पष्ट स्थिति पैदा हो जाती है, जिसकी वजह से मरीज से जुड़े निर्णय असमंजस का शिकार होकर रह जाते हैं। वास्तव में आईसीयू में भर्ती मरीजों के तिमारदारों को चिकित्सा प्रक्रिया की गहन जानकारी अक्सर नहीं होती है। वे केवल चिकित्सक के दिशा-निर्देशों पर ही निर्भर होकर रह जाते हैं। यही वजह है कि अस्पताल प्रबंधन के रहमो-करम पर मरीज को महंगे आईसीयू में लंबे समय तक भर्ती रहने को मजबूर होना पड़ता है। कई बार ऐसा भी होता है कि गहन चिकित्सा कक्ष में भर्ती रहने के बावजूद मरीज को उपचारीय लाभ नहीं मिल रहा होता है।सही मायनों में सुप्रीम कोर्ट के ये दिशानिर्देश एक सरल व सामान्य सिद्धांत की पुष्टि करते हुए इस विसंगति को दूर करने का प्रयास करते हैं कि किसी भी अस्पताल का आईसीयू मरीज की अनिश्चितकालीन देखभाल के लिए नहीं होता है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि शीर्ष अदालत ने समस्या के यथाशीघ्र समाधान की जरूरत पर बल दिया है।

अदालत ने डॉक्टरों की प्रतिष्ठा को संरक्षित करते हुए चिकित्सा संस्थानों व अस्पतालों की जवाबदेही सुनिश्चित करने पर बल दिया है। इस दिशा में व्यवस्थागत मुद्दों पर जोर दिया गया है, जिसमें नर्स व मरीज के अनुपात, विशेषज्ञ पर्यवेक्षण, मानक बुनियादी ढांचा और प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित कराना एक सराहनीय पहल कही जाएगी। निश्चित रूप से भारत जैसे देश में जहां स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता में भारी असमानता है, ये न्यूनतम मानदंड अधिक न्यायसंगत देखभाल के लिए आधार बन सकते हैं। सही मायनों में राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान करने और समयबद्ध कार्य योजना तैयार करनी चाहिए। साथ ही निर्देश नीति के क्रियान्वयन हेतु तत्परता दिखानी चाहिए। गहन चिकित्सा कक्ष में लंबे समय तक भर्ती रहना मरीजों और उनके परिवारों के लिए बेहद कष्टदायक होता है। स्थिर मरीजों को कम स्तर पर देखभाल की जरूरत वाले वार्डों में स्थानांतरित किए जाने से न केवल अनावश्यक चिकित्सा खर्च बचता है। बल्कि यह मानवीय दृष्टिकोण का भी परिचायक है।

विरासत के नाम बदलने का सवाल

भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की राह पर है। ऐसे में सिविल लाइंस जैसे नामों-प्रतीकों को बदलना या हटाना सिर्फ नाम बदलना नहीं, बल्कि मानसिकता को डीकॉलोनाइज करने की दिशा में अहम कदम है। हालांकि इतिहास भुलाया नहीं जाना चाहिए, बल्कि उसे संग्रहालयों व उचित संरक्षण के जरिये याद रखा जाए।

दिल्ली, प्रयागराज, लखनऊ, कानपुर, मेरठ और कई अन्य शहरों में सिविल लाइंस की चौड़ी सड़कें, दोनों तरफ खड़े विशाल और बुजुर्ग पेड़, पुराने गिरजाघर और औपनिवेशिक इमारतें ब्रिटिश राज के विलासी जीवन की याद दिलाते हैं। अब भारत सरकार इन सिविल लाइंस क्षेत्रों से ब्रिटिश काल के प्रतीकों को हटाने पर गंभीरता से विचार कर रही है। यह कदम वर्ष 2047 तक भारत को पूर्ण रूप से डीकॉलोनाइज्ड बनाने के विजन का हिस्सा है।ये इलाके विशेष रूप से ब्रिटिश सिविलियन अधिकारियों जैसे डिविजनल कमिश्नर, डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट आदि के लिए बनाए गए थे, ताकि वे भारतीय 'नेटिव टाउन' से अलग, आरामदेह जीवन व्यतीत कर सकें। 19वीं शताब्दी में विकसित ये 'व्हाइट टाउन' आज भी अनेक शहरों में मौजूद हैं। वर्ष 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के बाद ब्रिटिशों ने अपनी सुरक्षा और श्रेष्ठता को और मजबूत करने के लिए शहरों को दो हिस्सों में बांट दिया। एक ओर पुरानी, भीड़भाड़ वाली भारतीय बस्तियां, तो दूसरी ओर विस्तृत सड़कें, हरे-भरे बगीचे, बड़े बंगले और आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित 'सिविल लाइंस'। ये क्षेत्र कैंटोनमेंट से अलग लेकिन निकट थे। यहां ब्रिटिश सिविल सर्वेंट्स, जज, कलेक्टर आदि उच्च अधिकारी रहते थे।दिल्ली में सिविल लाइंस का इतिहास 1857 से गहराई से जुड़ा है। मुगल राजधानी शाहजहानाबाद (पुरानी दिल्ली) के उत्तर में, यमुना नदी के किनारे बसा।

भारत को सत्ता के दुरुपयोग को रोकने के लिए कानून की जरूरत क्यों है कानूनी और सामाजिक पहलुओं का गहन विश्लेषण

प्रस्तावना

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। हमारा संविधान राज्य के तीन अंगों–विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका–को स्पष्ट शक्तियाँ देता है। ये शक्तियाँ जनता की सेवा, राष्ट्र विकास और कानून के शासन के लिए हैं। लेकिन जब अधिकारी इन्हें निजी लाभ, राजनीतिक बदला, दुर्भावना या मनमाने ढंग से इस्तेमाल करते हैं–सार्वजनिक हित की अनदेखी करते हुए–तो यह सत्ता का दुरुपयोग है।

सत्ता का दुरुपयोग लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा है। यह महज प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि संवैधानिक मूल्यों, मौलिक अधिकारों और न्याय की नींव पर सीधा हमला है। जब पदाधिकारी अपनी ताकत से दुश्मनी, पक्षपात, भ्रष्टाचार या निजी फायदे निकालते हैं, तो आम नागरिक लाचार हो जाते हैं।तो सवाल उठता है क्या भारत के मौजूदा कानून सत्ता दुरुपयोग को प्रभावी ढंग से रोक पाते हैं? व्यावहारिक अनुभव कहता है–नहीं। इसलिए भारत में सत्ता दुरुपयोग रोकने के लिए एक व्यापक, समर्पित कानून की तत्काल जरूरत है।

सत्ता दुरुपयोग क्या है ?

सरल शब्दों में, जब कोई सार्वजनिक अधिकारी अपनी वैध शक्ति को संवैधानिक, कानूनी या नैतिक सीमाओं से आगे बढ़ाता है, तो वह सत्ता दुरुपयोग है।

यह कई रूप ले सकता है, जैसे

निर्दोषों पर झूठे आपराधिक मुकदमे ठोकना।

सरकारी एजेंसियों से राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाना।गैरकानूनी गिरफ्तारी या हिरासत।

लाइसेंस, अनुमतियाँ या लाभ पक्षपातपूर्ण तरीके से बाँटना।निजी या राजनीतिक हितों के लिए प्रशासनिक फैसले लेना।जाँच एजेंसियों को बदले की औजार बनाना।

इसलिए सत्ता दुरुपयोग सिर्फ कानूनी अपराध नहीं, लोकतांत्रिक नैतिकता का विश्वासघात है।

राज्य की शक्ति पर संवैधानिक अंकुश

भारत का संविधान किसी व्यक्ति या संस्था को असीमित सत्ता नहीं देता। इसका मूल सिद्धांत कानून का शासन है।

इस सिद्धांत के तहत-कोई कानून से ऊपर नहीं।

हर सरकारी कदम कानूनी मापदंडों पर खरा उतरे।

प्रशासनिक विवेक मनमाना न हो।

नागरिक अधिकार सर्वोपरि।

खास तौर पर-अनुच्छेद 14 कानून के समक्ष समानता।

अनुच्छेद 21 जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा।

अनुच्छेद 32 और 226 संवैधानिक उपचार का अधिकार। इनका उल्लंघन संवैधानिक शासन को कमजोर करता है।

मौजूदा कानूनी ढाँचे की कमियाँ

भारत में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, आपराधिक कानून, प्रशासनिक उपाय और संवैधानिक सुरक्षा हैं, लेकिन सार्वजनिक अधिकारियों के सत्ता दुरुपयोग के लिए कोई स्वतंत्र कानून नहीं।

वर्तमान व्यवस्था में कई खामियाँ हैं

न्याय में देरी

पीड़ित वर्षों अदालतों में भटकते हैं।

पूर्व अनुमति की जरूरत

सार्वजनिक सेवकों पर मुकदमा सरकार की मंजूरी माँगता है।

स्वतंत्र जाँच की कमी

जाँच कार्यपालिका के अधीन एजेंसियाँ करती हैं।

पर्याप्त मुआवजा न मिलना

वित्तीय, मानसिक और प्रतिष्ठा हानि का पूरा हर्जाना दुर्लभ।

नए कानून की जरूरत क्यों?

लोकतंत्र की रक्षा

लोकतंत्र तभी फलता-फूलता है जब सत्ता सीमित और जवाबदेह हो। बेलगाम ताकत तानाशाही लाती है।

नागरिक स्वतंत्रताओं की सुरक्षा

सत्ता दुरुपयोग व्यक्तिगत आजादी, गरिमा और अधिकारों को सीधे नुकसान पहुँचाता है।

प्रशासनिक उत्तरदायित्व

मजबूत कानून मनमाने और दुर्भावनापूर्ण कदमों को रोकेगा।

जन विश्वास की बहाली

जब सत्ता के मालिक कानूनी जवाबदेही झेलें, तो संस्थाओं पर भरोसा लौटेगा।

प्रस्तावित कानून की मुख्य विशेषताएँ

व्यापक परिभाषा

सत्ता दुरुपयोग को स्पष्ट और व्यापक रूप से परिभाषित करे।

सार्वभौमिक लागू-सभी सार्वजनिक पदाधिकारियों पर~ मंत्रियों, सांसदों/विधायकों, नौकरशाहों, पुलिसकर्मियों, वैधानिक निकायों के अधिकारियों पर।

स्वतंत्र जाँच प्राधिकरण

शिखर -अधिवक्ता उच्च न्यायालय लखनऊ पीठ

पूर्ण स्वायत्त सत्ता दुरुपयोग आयोग गठित हो।

विशेष अदालतें-तेज मुकदमे और समयबद्ध फैसले के लिए। पीड़ितों और मुखबिरों की सुरक्षा गवाह संरक्षण, प्रतिशोध से बचाव, गोपनीय शिकायत तंत्र।

पीड़ितों को मुआवजा

पर्याप्त आर्थिक क्षतिपूर्ति।

सत्ता दुरुपयोग मानने वाले कृत्य

दुर्भावनापूर्ण अभियोजन, साक्ष्य गढ़ना, गैरकानूनी गिरफ्तारी/हिरासत, कानूनों का चयनात्मक प्रवर्तन, राजनीतिक प्रताड़ना, प्रशासनिक उत्पीड़न, सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग, न्यायिक प्रक्रियाओं में हस्तक्षेप।

दंड-दोषसिद्धि पर कारावास, भारी जुर्माना, सेवा से बर्खास्तगी, सार्वजनिक पद पर अयोग्यता, पीड़ित को मुआवजा।

अंतरराष्ट्रीय उदाहरण

यूनाइटेड किंगडम

सार्वजनिक पद पर कदाचार÷ अपराध आधिकारिक गड़बड़ियों पर अंकुश।

संयुक्त राज्य अमेरिका

संवैधानिक अधिकार उल्लंघन पर मजबूत नागरिक अधिकार कानून।

कनाडा-सार्वजनिक क्षेत्र की अखंडता और जवाबदेही का मजबूत ढाँचा।

भारत इनसे सबक ले सकता है।

विधायी सक्षमता-राष्ट्रीय महत्व के कारण संसद इसे बनाए। केंद्र के पास समवर्ती सूची और शेष विधायी शक्तियाँ हैं।

नागरिकों की भूमिका

सुधार में जनता का बड़ा रोल~ जागरूकता फैलाना, कानूनी लेख/शोध प्रकाशित करना, सेमिनार आयोजित करना, जनहित याचिकाएँ दायर करना, निर्वाचित प्रतिनिधियों से संपर्क, राष्ट्रव्यापी आंदोलन।

चुनौतियाँ

राजनीतिक विरोध, नौकरशाही का विरोध, कानून के दुरुपयोग की आशंका, जवाबदेही और प्रशासनिक दक्षता का संतुलन।

ये चुनौतियाँ बड़ी हैं, लेकिन असंभव नहीं।

निष्कर्ष

सत्ता सेवा के लिए है, उत्पीड़न के लिए नहीं।

लोकतंत्र तभी मजबूत रहता है जब सत्ता कानून से बँधी और जवाबदेह हो। भारत को सत्ता दुरुपयोग रोकने के लिए तत्काल एक समर्पित, प्रभावी और स्वतंत्र कानून चाहिए।

यह महज कानूनी बदलाव नहीं–संवैधानिक सर्वोच्चता, लोकतांत्रिक अखंडता और कानून के शासन की पुष्टि होगी।भारत को स्पष्ट घोषणा करनी चाहिए सार्वजनिक सत्ता निजी संपत्ति नहीं; यह जनता की ओर से संवैधानिक न्यास है।

और जो इस न्यास का विश्वासघात करे, उसे कानून के कटघरे में खड़ा किया जाए।

खाना बनाते समय गैस रिसाव से लगी भीषण आग, घर का सामान जलकर राख

○ भिंडुरी गांव में महिला के खाना बनाते समय हुआ हादसा ○ ग्रामीणों ने बाल्टियों से पानी डालकर आग पर पाया गया काबू

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। चौबेपुर थाना क्षेत्र के भिंडुरी गांव में बुधवार दोपहर उस समय बड़ा हादसा हो गया जब खाना बनाते समय गैस सिलेंडर में हुए रिसाव से अचानक आग भड़क उठी। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही मिनटों में पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया और घर में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया।

जानकारी के अनुसार, गांव निवासी नन्हे यादव की पत्नी घर में खाना बना रही थीं। इसी दौरान सिलेंडर से गैस का रिसाव होने लगा और चूल्हे की लौ से आग लग गई। महिला ने शुरुआत में खुद आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग की लपटें तेजी से बढ़ती गईं, जिसके बाद वह किसी तरह बाहर निकलकर सुरक्षित बच गईं।

घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और बाल्टियों व उपलब्ध संसाधनों की मदद से आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। साथ ही फायर ब्रिगेड और पुलिस को भी सूचना दी गई।

दमकल टीम के पहुंचने से पहले ही ग्रामीणों ने काफी हद तक आग पर काबू पा लिया था।

हालांकि, तब तक घर में रखा टीवी, पंखा, वॉशिंग मशीन, कूलर, अनाज, कपड़े, बर्तन और नकदी सहित अधिकांश गृहस्थी का सामान पूरी तरह जल चुका था। आग बुझाने के दौरान गैस रिसाव जारी रहने से सिलेंडर लगातार जलता रहा, जिससे मौके पर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। बाद में सावधानीपूर्वक सिलेंडर की आग पर भी काबू पा लिया गया।

ग्रामीणों के मुताबिक, सिलेंडर के एक हिस्से में दरार आ गई थी, जिससे गैस रिसाव हो रहा था। लोगों ने आशंका जताई कि यदि सिलेंडर फट जाता तो बड़ा हादसा हो सकता था और आसपास के कई घर भी इसकी चपेट में आ सकते थे।

बाबा साहब को देखना पसंद न करने वाले कर रहे बड़े-बड़े कार्यक्रम

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। बिल्हौर विधानसभा क्षेत्र के कसिगवां गांव में बुधवार को बहुजन समाज पार्टी द्वारा आयोजित चौपाल में राजनीतिक माहौल पूरी तरह गरमा गया। कार्यक्रम में जहां केंद्र की भाजपा सरकार पर तीखे प्रहार किए गए, वहीं पूर्ववर्ती सपा सरकार को भी बसपा नेताओं ने निशाने पर लिया। मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे बिल्हौर विधानसभा प्रभारी विनय गौतम ने विपक्षी दलों पर सीधा हमला बोलते हुए कहा, जो लोग बाबा साहब को देखना पसंद नहीं करते थे, आज वही बड़े-बड़े कार्यक्रम कर रहे हैं। यह दोहरी राजनीति है, जो जनता को भ्रमित कर वोट हासिल करती है।

उन्होंने आगे कहा कि चाहे मौजूदा भाजपा की सरकार हो या पूर्व की सपा सरकार, दोनों ही दौर में आम जनता की समस्याओं का समाधान अपेक्षित स्तर पर नहीं हो सका। हर सरकार ने वादे तो बड़े-बड़े किए, लेकिन जमीनी हकीकत में जनता आज भी मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रही है। उन्होंने कहा कि मौजूदा व्यवस्था में जनता की आवाज लगातार अनसुनी की जा रही है और सत्ता में बैठे लोग वास्तविक समस्याओं से दूर हैं। उन्हें केवल हिंदू-मुस्लिम करना आता है। उन्होंने दावा किया कि बहुजन समाज पार्टी हमेशा से सड़क से लेकर सदन तक जनता के अधिकारों और मुद्दों की

➩ कसिगवां में हुई चौपाल में बसपा का सियासी हमला, भाजपा और सपा पर तीखे वार

कैडर वोट बैंक साधने की कोशिश तेज

बैठक में बसपा ने अपने पारंपरिक कैडर वोट बैंक को एकजुट करने पर विशेष फोकस किया। संगठन में फैले बिखराव को दूर कर पुराने जनाधार को फिर से पाले में लाने की रणनीति पर बल दिया गया। नेताओं ने कार्यकर्ताओं से संगठन को सक्रिय करते हुए आगामी चुनाव में मजबूत भूमिका निभाने का संदेश दिया।

लड़ाई लड़ती रही है और आगे भी इसी संघर्ष को जारी रखेगी। चौपाल में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया। नेताओं ने कार्यकर्ताओं से जमीनी स्तर पर सक्रिय होकर पार्टी के जनाधार को और अधिक मजबूत करने का आह्वान किया। साथ ही आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर रणनीतिक चर्चा भी हुई। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष रमेश पाल, उपाध्यक्ष प्रेम चंद्र बौद्ध, एडवोकेट रवि गौतम, प्रदीप बौद्ध, इमरान,दयाराम गौतम, सकिल खान,सविता समेत कई पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

प्रतिभा को मिला मंच, मेधावी छात्रों का हुआ सम्मान

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए श्री मेवाराम स्मारक इंटर कॉलेज, रौगांव और श्री राम कॉलेज ऑफ हायर एजुकेशन के संयुक्त तत्वावधान में मेधावी छात्र सम्मान समारोह एवं करियर मार्गदर्शन कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक तरीके से मां सरस्वती के पूजन और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके बाद प्रतिभावान छात्रों को सम्मानित किया गया। मेडल और प्रशस्ति पत्र पाकर विद्यार्थियों में उत्साह और आत्मविश्वास का संचार देखने को मिला। इस मौके पर करियर चयन के बदलते परिदृश्य पर विस्तार से चर्चा की गई।

करियर काउंसलर डॉ. संजय त्रिपाठी ने छात्रों को बताया कि आज के दौर में केवल डिग्री नहीं, बल्कि सही दिशा और स्किल्स ही सफलता की कुंजी हैं। उन्होंने

➩ प्रशस्ति पत्र पाकर विद्यार्थियों के चेहरे पर आई मुस्कान

विद्यार्थियों को अपनी रुचि के अनुसार क्षेत्र चुनने पर जोर दिया। प्रधानाचार्य राहुल पाल ने छात्रों को नियमित अध्ययन और अनुशासन को जीवन का हिस्सा बनाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि निरंतर प्रयास ही सफलता की गारंटी बनता है। कार्यक्रम में इंजीनियरिंग, मेडिकल और प्रशासनिक सेवाओं जैसे विभिन्न करियर विकल्पों की जानकारी दी गई। साथ ही छात्रों के सवालों का समाधान भी किया गया। इस अवसर पर शिक्षक, विद्यार्थी और अभिभावक बड़ी संख्या में मौजूद रहे। अभिभावकों को भी बच्चों की प्रतिभा पहचानकर उन्हें सही दिशा देने के लिए प्रेरित किया गया।

बिल्हौर-ककवन पुलिस का अभियान तेज, 8 वारंटी गिरफ्तार

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। कानून व्यवस्था को मजबूत करने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत बिल्हौर और ककवन थाना पुलिस ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए कुल आठ वारंटियों को गिरफ्तार कर लिया।बिल्हौर थाना क्षेत्र में पुलिस टीम ने ढाकापुरवा गांव में दबिश देकर चार आरोपियों को हिरासत में लिया। ये सभी विभिन्न मामलों में काफी समय से फरार चल रहे थे और अदालत से जारी वारंट के बावजूद पेश नहीं हो रहे थे।

इसी क्रम में ककवन थाना पुलिस ने भी अपने क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए चार अन्य वारंटियों को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, पकड़े गए आरोपी मनावा और अहमदपुर गांव के निवासी हैं, जो अलग-अलग मुकदमों में वांछित थे। सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए न्यायालय में पेश कर दिया गया।जहाँ से सभी को जेल भेजा गया।

➩ अलग-अलग गांवों में दबिश देकर लंबे समय से फरार आरोपियों को पकड़ा

पुणे में जहरीली क्लोरीन गैस लीक, 24 लोग अस्पताल में भर्ती

बंद पड़े जल शोधन प्लांट से आधी रात को रिसाव, दमकल टीम ने समय रहते संभाली स्थिति

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

पुणे। पुणे के कोंढवा क्षेत्र स्थित गंगाधाम इलाके में बुधवार देर रात क्लोरीन गैस रिसाव की गंभीर घटना सामने आई, जिससे पूरे क्षेत्र में दहशत फैल गई। जानकारी के अनुसार, एक बंद पड़े जल शोधन संयंत्र में रखे क्लोरीन गैस के टैंक से अचानक रात करीब एक बजे रिसाव शुरू हो गया। देखते ही देखते जहरीली गैस आसपास के रिहायशी इलाके में फैलने लगी, जिससे लोगों को सांस लेने में तकलीफ, आंखों में जलन और घबराहट जैसी समस्याएं होने लगीं।

एआई जेनरेटेड प्रतीकात्मक फोटो

स्थिति बिगड़ते देख स्थानीय लोग घरों से बाहर निकलकर सुरक्षित स्थानों की ओर भागने लगे। इस दौरान इलाके में अफरातफरी का माहौल बन गया। कई परिवार रात के अंधेरे में ही अपने बच्चों और बुजुर्गों को लेकर खुले स्थानों में शरण लेने को मजबूर हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक गैस की तीव्र गंध के कारण कुछ ही मिनटों में हालात गंभीर हो गए थे।घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और तत्काल राहत-बचाव कार्य शुरू किया। विशेष सुरक्षा उपकरणों से लैस दमकलकर्मियों ने गैस लीक कर रहे टैंक को नियंत्रित किया और रिसाव को रोकने में सफलता हासिल की। साथ ही प्रभावित क्षेत्र को घेरकर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया।इस घटना में कुल 24 लोग प्रभावित हुए, जिनमें 22 स्थानीय निवासी और 2 दमकलकर्मी शामिल हैं। सभी को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है।

अधिकारियों के अनुसार सभी की हालत फिलहाल स्थिर है और किसी की जान को खतरा नहीं है।प्रशासन ने एहतियात के तौर पर पूरे इलाके की निगरानी बढ़ा दी है और स्वास्थ्य विभाग की टीमों को भी सतर्क रखा गया है। साथ ही, गैस रिसाव के कारणों की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। प्रारंभिक जांच में लापरवाही की आशंका जताई जा रही है, जिस पर विस्तृत जांच जारी है।

स्थानीय प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी आपात स्थिति में प्रशासन से संपर्क करें।

» कोंढवा के गंगाधाम इलाके में देर रात क्लोरीन गैस लीक हुई

» पड़े जल शोधन संयंत्र के टैंक से हुआ रिसाव

» फैलते ही लोगों में सांस लेने और आंखों में जलन की समस्या

» अफरातफरी में लोग घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों की ओर भागे

» विभाग ने मौके पर पहुंचकर रिसाव को नियंत्रित किया

» कुल 24 लोग प्रभावित, जिनमें 2 दमकलकर्मी भी शामिल

» प्रशासन ने जांच के आदेश दिए, सभी »घायलों की हालत स्थिर

भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सुरक्षा मानकों की समीक्षा भी की जा रही है।

फतेहपुर में गैंगस्टर पर बड़ी कार्रवाई, 1.77 करोड़ की संपत्ति कुर्क

» मर्चेंट नेवी में नौकरी का झांसा देकर ठगी, पत्नी-बहन के नाम पर खड़ी की थी संपत्ति

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

फतेहपुर। जिले में अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए पुलिस ने गैंगस्टर शैलेंद्र सिंह उर्फ राजू यादव पर बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने उसकी करीब 1 करोड़ 77 हजार 680 रुपए की संपत्ति कुर्क कर ली है। यह संपत्ति अवैध तरीके से अपराध और धोखाधड़ी के जरिए अर्जित की गई थी।पुलिस के अनुसार, आरोपी लोगों को मर्चेंट नेवी में नौकरी दिलाने का झांसा देकर ठगी करता था। इसी अवैध कमाई से उसने अकूत संपत्ति खड़ी कर ली थी। जांच में सामने आया कि आरोपी ने अपनी संपत्ति पत्नी, बहन और अन्य सहयोगियों के नाम पर दर्ज कर रखी थी, ताकि कानून से बचा जा सके।पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने बताया कि कुर्क की गई संपत्ति में चार बेशकीमती प्लॉट शामिल हैं। ये सभी संपत्तियां गैंगस्टर एक्ट के तहत चिन्हित की गई थीं और विधिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद कुर्की की कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि आरोपी शैलेंद्र सिंह उर्फ राजू यादव के खिलाफ पहले से ही छह आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस लंबे समय से उसकी गतिविधियों पर नजर रखे हुए थी। यह कार्रवाई थाना कोतवाली क्षेत्र में की गई है। पुलिस का कहना है कि जिले में अपराध और अपराधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और अवैध संपत्ति अर्जित करने वालों पर इसी तरह सख्त कार्रवाई की जाएगी।

महिला आरक्षण पर सदन में संग्राम, सत्ता-विपक्ष आमने-सामने

» महिला सुरक्षा के मुद्दे पर सरकार का दावा, कड़े कदमों से बदली तस्वीर

» विपक्ष का पलटवार: जमीनी हकीकत पर उठाए सवाल, सत्र में बढ़ा सियासी ताप

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानमंडल के दोनों सदनों में गुरुवार को आयोजित एक दिवसीय विशेष सत्र महिला आरक्षण और महिला सुरक्षा के मुद्दों पर तीखी बहस का गवाह बना। पूरे दिन सदन में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जोरदार आरोप-प्रत्यारोप होते रहे, जिससे माहौल गरमाता नजर आया।

सत्र के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि उनके शासनकाल में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में बढ़ोतरी हुई थी और कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई थी। उन्होंने दावा किया कि वर्तमान सरकार महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए लगातार ठोस कदम उठा रही है, जिससे हालात में सुधार हुआ है।

विधानसभा में भाजपा विधायक केतकी सिंह ने भी विपक्ष पर हमला बोलते हुए पूर्ववर्ती सरकारों के कार्यकाल का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि पहले महिलाओं को न्याय के लिए भटकना पड़ता था, जबकि अब सरकार ने सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया है। उन्होंने महिला आरक्षण विधेयक के विरोध को महिलाओं के अधिकारों के खिलाफ बताते हुए विपक्ष की मंशा पर सवाल खड़े किए।

सत्ता पक्ष की ओर से महिला सशक्तिकरण के लिए किए गए प्रयासों का विस्तार से उल्लेख किया गया। इसमें महिला हेल्पलाइन, एंटी रोमियो स्क्वायड, पिंक बस सेवा और अन्य सुरक्षा उपायों को प्रमुखता से गिनाया गया। मंत्री बेबी रानी मौर्य ने कहा कि सरकार महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने और उन्हें बराबरी का अवसर देने के लिए प्रतिबद्ध है।

वहीं विपक्ष ने भी सरकार के दावों को सिरे से खारिज करते हुए जमीनी हालात पर सवाल उठाए। सपा विधायक नसीम सोलंकी ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि राजनीतिक संघर्ष के दौरान उन्हें उत्पीड़न झेलना पड़ा। उन्होंने आरोप लगाया कि महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सरकार के दावे वास्तविकता से दूर हैं और व्यवस्था में अभी भी कई कमियां हैं।

सत्र के दौरान अन्य विधायकों ने भी अपने विचार रखे, जिससे बहस और तीखी होती चली गई। महिला आरक्षण विधेयक को लेकर सत्ता और विपक्ष के बीच वैचारिक टकराव साफ तौर पर दिखाई दिया। कुल मिलाकर, यह विशेष सत्र महिला सशक्तिकरण के मुद्दे पर सरकार और विपक्ष के बीच गहराते राजनीतिक मतभेदों को उजागर करता नजर आया। आने वाले समय में इस विषय पर सियासी बहस और तेज होने के संकेत साफ दिखाई दे रहे हैं।

मौरंग लदे ट्रक ने बाइक को मारी टक्कर पिता-पुत्र पर पलटा ट्रक, दोनों की मौत

शादी समारोह से लौटते समय हुआ हादसा, मोहम्मदपुर गांव में पसरा मातम

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर थाना क्षेत्र के मुगल रोड पर बुधवार रात एक भीषण सड़क हादसे ने दो जिंदगियां छीन लीं। सुजगंवा गांव के पास तेज रफ्तार मौरंग से लदा ट्रक अनियंत्रित होकर बाइक सवार पिता-पुत्र को टक्कर मारते हुए खाई में पलट गया। हादसे में दोनों ट्रक के नीचे दब गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई।जानकारी के अनुसार, मोहम्मदपुर निवासी रामदास (55) जो सफाईकर्मी के पद पर कार्यरत थे, अपने बेटे राहुल (28) के साथ बाइक से एक शादी समारोह में शामिल होने गए थे। रात करीब 8:30 बजे दोनों घर लौट रहे थे। जैसे ही वे सुजगंवा गांव के पास पहुंचे, तभी सामने से आ रहा मौरंग से भरा ट्रक अचानक अनियंत्रित हो गया और बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रक सड़क किनारे खाई में जा पलटा और पिता-पुत्र उसी के नीचे दब गए।

हादसे की आवाज सुनकर पास के ढाबे पर मौजूद लोग मौके पर दौड़े और तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची भोगनीपुर पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से रेस्क्यू शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद रामदास को बाहर निकाल लिया गया, लेकिन राहुल ट्रक के नीचे बुरी तरह फंसे थे। इसके बाद हाइड्रा मशीन बुलाकर ट्रक को सीधा कराया गया, तब जाकर उन्हें बाहर निकाला जा सका। गंभीर हालत में दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पुखरायां ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। पिता-पुत्र की एक साथ मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। गांव में भी शोक की लहर दौड़ गई। अपराध निरीक्षक वीरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। परिजनों को सूचना दे दी गई है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

मृतक पिता की फाइल फोटो

मृतक के बेटे की फाइल फोटो

इस दर्दनाक हादसे ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं। घर का कमाने वाला और उसका जवान बेटा, दोनों एक साथ काल के गाल में समा गए। घटना के बाद पूरे मोहम्मदपुर गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है और हर आंख नम है।

दोस्ती से दुश्मनी तक: पैसों के विवाद में युवक की हत्या, दो आरोपी गिरफ्तार

सट्टे के पैसों के लेनदेन में दोस्त बना कातिल, पहले पिलाई शराब, फिर बोतल से वार कर उतारा मौत के घाट

स्वराज इंडिया

कानपुर देहात

स्वराज इंडिया

युवक की नृशंस हत्या, बोरी में भरकर हौज में फेंका शव

कानपुर देहात में सनसनीखेज वारदात, 4 के खिलाफ केस दर्ज

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

कानपुर देहात। रसूलाबाद थाना क्षेत्र के बिषधन रोड स्थित हड्डी मील के पास युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। हत्या की वजह सट्टे के पैसों का लेनदेन बताया जा रहा है।

स्वराज इंडिया FOLLOW UP

पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान असद हुसैन के रूप में हुई थी। इस मामले में गिरफ्तार आरोपियों में शाहनवाज खान उर्फ जेके निवासी कबीर नगर और सरताज निवासी कबीर नगर शामिल हैं।

दोनों को 29 अप्रैल को रसूलाबाद-बिल्हौर मार्ग पर बटपरू गांव के मोड़ के पास से गिरफ्तार किया गया।पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि असद उनका मित्र था और उनके बीच पैसों का लेनदेन चलता रहता था। आईपीएल मैच में हार-जीत के चलते विवाद बढ़ गया। शाहनवाज ने असद को करीब 5000 रुपये उधार दिए थे, जिसे लेकर कई बार कहासुनी हुई। वहीं, यह भी सामने आया कि दोनों के बीच अक्सर पैसों का लेनदेन होता रहता था।

घटना 25 अप्रैल की है, जब विवाद बढ़ने पर शाहनवाज ने अपने साथी सरताज के साथ मिलकर असद की हत्या की साजिश रची। दोनों ने असद को बहाने से अपने साथ ले जाकर पहले शराब पिलाई। इसके बाद सुनसान स्थान पर सरताज ने असद के हाथ पकड़ लिए और शाहनवाज ने उसका गला दबाकर व टूटी हुई कांच की बोतल से वार कर निर्मम हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपियों ने शव को प्लास्टिक की बोरी में भरकर एक सूखे हौज में फेंक दिया और ऊपर से ईंटों से ढक दिया, ताकि किसी को शक न हो। बाद में पुलिस ने शव बरामद कर मुकदमा दर्ज किया और जांच शुरू की।

जनपद में अपराध नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस महानिदेशक कानपुर जोन आलोक सिंह, पुलिस उप महानिरीक्षक कानपुर रेंज हरीश चंद्र तथा पुलिस अधीक्षक कानपुर देहात श्रद्धा नरेंद्र पांडेय के निर्देशन में रसूलाबाद पुलिस को यह सफलता मिली। पुलिस ने दोनों आरोपियों के कब्जे से आलाकत्ल (टूटी कांच की बोतल) भी बरामद कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों का चिकित्सीय परीक्षण कराने के बाद उन्हें न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई जारी है।

हाइवे पर बेखौफ बदमाशों का आतंक

दिनदहाड़े दंपति से लूट छेड़छाड़ के बाद पिटाई

भोगनीपुर क्षेत्र में बढ़ता अपराध, 112 और पुलिस गश्त पर उठे गंभीर सवाल

घटना की जानकारी देते पति-पत्नी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

कानपुर देहात। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र में अपराधियों के हौसले लगातार बुलंद होते नजर आ रहे हैं। जुनेदपुर गेट के पास कानपुर-झांसी हाइवे पर दिनदहाड़े दंपति से मारपीट और लूट की सनसनीखेज घटना सामने आई है।

जानकारी के अनुसार, कानपुर नगर के पनकी निवासी सोनू अपने भाई मधुर और पत्नी रिया श्रीवास्तव के साथ रूरा से परीक्षा देकर लौट रहे थे। जैसे ही वे जुनेदपुर गेट के पास पहुंचे, दो अज्ञात युवकों ने उन्हें रोक लिया और रिया के साथ छेड़छाड़ करने लगे। विरोध करने पर दंपति आगे बढ़े, लेकिन कुछ दूरी पर तीन अन्य बदमाश भी आ गए।

पांचों आरोपियों ने मिलकर दंपति को घेर लिया और बेरहमी से मारपीट की। इस दौरान बदमाशों ने रिया श्रीवास्तव का सोने का मंगलसूत्र और सोनू की सोने की अंगूठी लूट ली। घटना के दौरान पीड़िता ने तत्काल 112 नंबर पर कॉल किया, लेकिन पुलिस के पहुंचने से पहले ही आरोपी फरार हो गए।

पीड़िता ने भोगनीपुर थाना में तहरीर देकर बताया कि उनके एक परिजन ने एक आरोपी की पहचान गौरिडाडा निवासी के रूप में की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

इस वारदात के बाद क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि हाइवे पर 112 टीम और पुलिस चौकी होने के बावजूद बदमाश बेखौफ होकर वारदात को अंजाम दे रहे हैं, जिससे गश्त व्यवस्था की पोल खुल रही है।

सीडीओ का अल्टीमेटम सूखे नहीं रहेंगे अमृत सरोवर

3 दिन में भराव और सफाई के निर्देश, लापरवाही पर कार्रवाई तय

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

कानपुर देहात। जनपद में बढ़ती गर्मी, संभावित पेयजल संकट और गिरते भूगर्भ जल स्तर को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। इसी क्रम में मुख्य विकास अधिकारी विधान जायसवाल ने विकास भवन सभागार में अमृत सरोवरों में जल संग्रहण को लेकर समीक्षा बैठक की और अधिकारियों को कड़े निर्देश जारी किए।

बैठक का मुख्य उद्देश्य जनपद में निर्मित अमृत सरोवरों की वर्तमान स्थिति का जायजा लेना और गर्मी के दौरान उन्हें सूखने से बचाने के लिए प्रभावी रणनीति तैयार करना रहा।

सीडीओ ने स्पष्ट कहा कि किसी भी हालत में अमृत सरोवर सूखे नहीं रहने चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन अमृत सरोवरों में जल स्तर कम हो गया है, उन्हें नहरों, सरकारी नलकूपों और वर्षा जल संचयन जैसे वैकल्पिक माध्यमों से तत्काल भरा जाए। साथ ही ग्राम पंचायतों के अन्य तालाबों को भी इसी व्यवस्था के तहत भरने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की उपलब्धता बनी रहे।

सीडीओ ने मनरेगा के माध्यम से सरोवरों की सफाई और सिल्ट (गाद) निकालने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि गाद हटाने से सरोवरों की जल धारण क्षमता बढ़ेगी और अधिक समय तक पानी संरक्षित रखा जा सकेगा। सख्त चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि यदि किसी विकास खंड में अमृत सरोवर सूखा पाया गया या वहां गंदगी मिली, तो संबंधित बीडीओ और ग्राम पंचायत सचिव के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जिन सरोवरों में जल स्तर 25 प्रतिशत से कम है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर भरा जाए और जल प्रवाह में बाधा बनने वाले कचरे व मलबे को तीन दिनों के भीतर हर हाल में साफ कराया जाए। बैठक में उपायुक्त श्रम रोजगार अशोक कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी विकास पटेल सहित सभी संबंधित बीडीओ, ग्राम पंचायत सचिव एवं विभागीय अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रशासन के इस सख्त रुख से स्पष्ट है कि इस बार गर्मी के मौसम में जल संकट से निपटने के लिए किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

खेत में काम करते समय किसान की हालत बिगड़ी, अस्पताल में मौत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

कानपुर देहात। राजपुर थाना क्षेत्र के जैनपुर गांव में खेत में काम कर रहे किसान की अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया।जानकारी के अनुसार जैनपुर निवासी गोविन्द सिंह (50) खेतों में काम करने गए थे। इसी दौरान अचानक उनकी हालत खराब हो गई। आसपास मौजूद किसानों ने इसकी सूचना परिजनों को दी। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और उन्हें आनन-फानन में राजपुर पीएचसी ले गए, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।अचानक हुई मौत से परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। मृतक के भतीजे सीपू सिंह ने बताया कि गोविन्द सिंह की कोई संतान नहीं थी और वह अकेले ही जीवन यापन कर रहे थे। राजपुर पुलिस ने अस्पताल से मिले मेमो के आधार पर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

हाईस्कूल, इंटर में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पहनाए मेडल, दी बधाई

» सीकेएसके इंटर कॉलेज में आयोजित हुआ सम्मान समारोह

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

कानपुर देहात। रसूलाबाद क्षेत्र के असालतगंज स्थित छेदी खां शमशुल कमर इंटर कॉलेज में मेधावी छात्रों को मेडल और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों का उत्साहवर्धन करना था, ताकि वे भविष्य की परीक्षाओं में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर क्षेत्र का नाम रोशन करें।

कॉलेज परिसर में आयोजित सम्मान समारोह में हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के टॉप-10 विद्यार्थियों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। कॉलेज के प्रबंधक मो. आरिफ रज्जू ने सभी मेधावी छात्रों को मेडल पहनाकर एवं पुरस्कार प्रदान कर उनका हौसला बढ़ाया।

इंटरमीडिएट में संकल्प कमल, नैन्सी राठौर, अभिनंदन सिंह, प्रियंका देवी, मो. जैद, सुंदरी कमल, अनुपम देवी, प्रियांशी देवी, रश्मि तिवारी एवं दिव्यांशु पाल को सम्मानित किया गया। वहीं हाईस्कूल में जानवी राठौर, कशिश, अनुज कुमार, प्रिंस कुशवाहा, रोहित, सनी, अनुष्का गौतम, अंजली देवी, जय देवी एवं खुशी रावत को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत किया गया।

इस अवसर पर पूर्व शिक्षक हाजी डॉ. इसरार सिद्दीकी ने कहा कि विद्यार्थियों की मजबूत नींव ही उनके उज्ज्वल भविष्य का आधार होती है। उन्होंने कहा कि हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के परिणाम छात्रों के आगे के करियर को दिशा देते हैं

और यह कॉलेज इस दिशा में सराहनीय कार्य कर रहा है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से रामनाथ यादव, इश्तियाक अहमद, अक्षय त्रिपाठी, इरशाद, प्रधानाचार्य संदीप कुमार, बृजेश कुमार, महेंद्र कुमार, अजय पाल, शिवम सैनी, अशहर खुर्शीद, अदीबा एवं दीपक कुशवाहा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

जनगणना 2027: शिक्षकों को डोर-टू-डोर सर्वे व मोबाइल एप की ट्रेनिंग

डिजिटल प्रक्रिया से होंगे सटीक आंकड़े, शिक्षकों को डिजिटल जनगणना की पूरी प्रक्रिया समझाई

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

कानपुर देहात। जनगणना 2027 के प्रथम चरण की तैयारियों के तहत पुखरायां के अल्लापुर स्थित बी.के.एस.डी. विद्यालय में शिक्षकों के लिए आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन चरण चल रहा है। प्रशिक्षण प्रतिदिन सुबह 9:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक संचालित किया जा रहा है, जिसमें शिक्षकों को डिजिटल जनगणना की पूरी प्रक्रिया से अवगत कराया जा रहा है, ताकि आंकड़े अधिक सटीक और पारदर्शी बन सकें।

यह प्रशिक्षण 27 अप्रैल से शुरू हुआ था, जिसमें चार्ज स्तरीय पर्यवेक्षकों एवं प्रगणकों को घर-घर जाकर मकान सूचीकरण, नक्शा तैयार करने, भवन विवरण दर्ज करने तथा परिवार के सदस्यों का डेटा संकलित करने की विस्तृत जानकारी दी गई। खंड शिक्षा अधिकारी आनंद भूषण ने बताया कि शिक्षकों को तकनीकी एवं व्यवहारिक दोनों प्रकार का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रथम चरण में मकान सूचीकरण किया जाएगा, जबकि द्वितीय चरण में परिवार का विस्तृत विवरण एकत्र किया जाएगा।प्रशिक्षण में मोबाइल एप्लिकेशन के उपयोग पर विशेष जोर दिया गया। शिक्षकों को सर्वेक्षण करना, जानकारी दर्ज करना, सत्यापन करना तथा तुरंत डेटा अपलोड करने की प्रक्रिया सिखाई गई। अधिकारियों ने सभी प्रगणकों को जिम्मेदारीपूर्वक एवं सावधानी के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। इस मौके पर प्रशिक्षण में प्रमुख रूप से खंड शिक्षा अधिकारी आनंद भूषण, विद्यालय प्रबंधक, प्रधानाचार्य, चार्ज अधिकारी, पर्यवेक्षक एवं विभिन्न विद्यालयों से आए शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। अधिकारियों के अनुसार, इस बार डिजिटल माध्यम से जनगणना की प्रक्रिया न केवल तेज होगी, बल्कि अधिक विश्वसनीय और पारदर्शी भी साबित होगी।

बुलंदशहर ट्रिपल मर्डर का अंत
'बर्थडे बॉय' जीतू सैनी एनकाउंटर में ढेर

◆ केक लगाने की मामूली बात पर बरसी थीं गोलियां ◆ 50 हजार के इनामी आरोपी का पुलिस ने किया खात्मा

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बुलंदशहर। बुलंदशहर में बर्थडे पार्टी के दौरान तीन दोस्तों की हत्या करने वाले मुख्य आरोपी जीतू सैनी (30) का आखिरकार पुलिस ने एनकाउंटर में खात्मा कर दिया। गुरुवार सुबह करीब 5 बजे खुर्जा थाना क्षेत्र में पुलिस ने स्कूटी सवार जीतू को घेरकर रोकने की कोशिश की। इस दौरान उसने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

- **25 अप्रैल (रात):-** आरजेएस जिम में बर्थडे पार्टी के दौरान मामूली विवाद में जीतू ने की फायरिंग, 3 की मौत
- **26 अप्रैल:-** पुलिस ने मुख्य आरोपी जीतू सैनी पर 50 हजार का इनाम घोषित किया
- **27-29 अप्रैल:-** पुलिस ने अन्य आरोपियों मयंक, रिंकू और भारत को एनकाउंटर में घायल कर पकड़ा
- **30 अप्रैल (सुबह 5 बजे):-** खुर्जा क्षेत्र में पुलिस से मुठभेड़, जीतू सैनी को लगीं गोलियां
- **30 अप्रैल (सुबह):-** जिला अस्पताल में इलाज के दौरान जीतू सैनी की मौत

जीतू सैनी पर ट्रिपल मर्डर के बाद 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। वह बहुजन समाज पार्टी (बसपा) का पूर्व नगर अध्यक्ष भी रह चुका था। पुलिस के मुताबिक, मुठभेड़ जिला मुख्यालय से करीब 35 किलोमीटर दूर हुई। घटना के बाद फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की।गौरतलब है कि 25 अप्रैल की रात आरजेएस फिटनेस जिम में जीतू का जन्मदिन मनाया जा रहा था। इसी दौरान उसके दोस्त अमरदीप ने मजाक में उसके चेहरे पर केक लगा दिया, जिससे वह भड़क उठा। गुस्से में उसने ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। इस फायरिंग में भाजपा सभासद संजय सैनी के भाई मनीष (30), भतीजे आकाश (19) और चचेरे भाई अमरदीप (32) की मौके पर ही मौत हो गई थी।इस सनसनीखेज वारदात के बाद पुलिस ने लगातार दबिश देकर अन्य आरोपियों मयंक सैनी, रिंकू सैनी और भारत सैनी को भी एनकाउंटर में घायल कर गिरफ्तार किया था। एनकाउंटर के बाद मृतक अमरदीप की बहन राधा ने कहा कि उन्हें इस कार्रवाई से संतोष मिला है। जिस तरह से पुलिस ने सख्त कदम उठाया है, उसी तरह अपराधियों के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहनी चाहिए।

हाइवे पर हादसों का 'हॉटस्पॉट' बना सतहरिया, ट्रामा सेंटर की मांग तेज

सीएचसी में इलाज के अभाव से बढ़ रही मुश्किलें, घंटों देरी में जा रही जिंदगियां

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

जौनपुर। मुंगराबादशाहपुर ब्लॉक स्थित सतहरिया औद्योगिक क्षेत्र इन दिनों सड़क हादसों का केंद्र बनता जा रहा है। करीब 508 एकड़ में फैले इस औद्योगिक क्षेत्र से गुजरने वाला हाइवे लगातार दुर्घटनाओं का गवाह बन रहा है, लेकिन यहां स्वास्थ्य सुविधाएं बेहद कमजोर हैं। गंभीर रूप से घायल मरीजों के लिए स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) केवल प्राथमिक उपचार और रेफर सेवा तक सीमित है।

हादसे के बाद पीड़ितों को इलाज के लिए 50 किलोमीटर दूर जौनपुर या प्रयागराज, जबकि कई मामलों में 110 किलोमीटर दूर वाराणसी ले जाना पड़ता है। इस पूरी प्रक्रिया में 6 से 7 घंटे का समय लग जाता है, जो कई बार मरीजों के लिए जानलेवा साबित हो रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि यहां ट्रामा सेंटर की सुविधा उपलब्ध हो जाए, तो कई जिंदगियां बचाई जा सकती हैं।

ट्रामा सेंटर की मांग लंबे समय से उठती रही है। पूर्व विधायक डॉ. सुषमा पटेल ने भी विधानसभा में 50 बेड के ट्रामा सेंटर की स्थापना का मुद्दा उठाया था, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई। औद्योगिक संगठन आईआईए के पदाधिकारियों और स्थानीय उद्यमियों ने भी इस मुद्दे को गंभीरता से उठाया है। क्षेत्रीय नागरिकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि प्रशासन की उदासीनता के कारण हादसों में मौतों का आंकड़ा बढ़ रहा है। उन्होंने जिला प्रशासन से जल्द से जल्द सतहरिया सीएचसी में ट्रामा सेंटर स्थापित करने की मांग की है, ताकि समय पर इलाज मिल सके और अनमोल जिंदगियां बचाई जा सकें।

एआई जेनरेटेड प्रतीकात्मक फोटो

रंगे हाथ रिश्वत लेते चकबंदी पेशकार गिरफ्तार, एंटी करप्शन टीम की कार्रवाई

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

हमीरपुर। जिले में भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए चकबंदी विभाग के पेशकार को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया।

बांदा से आई 20 सदस्यीय एंटी करप्शन टीम ने कलेक्ट्रेट परिसर स्थित चकबंदी कार्यालय में छापेमारी कर यह कार्रवाई की।

आरोप है कि चकबंदी पेशकार अल्ताफ़ ने एक रिटायर्ड आर्मी हवलदार धर्मवीर सिंह से काम कराने के एवज में पहले 1.5 लाख रुपये की मांग की थी। बाद में सौदा 25 हजार रुपये में तय हुआ।

पीड़ित की शिकायत पर एंटी करप्शन टीम ने जाल बिछाया और जैसे ही आरोपी ने रिश्वत की रकम ली, उसे मौके पर ही पकड़ लिया गया। गिरफ्तारी के बाद टीम आरोपी को सदर कोतवाली ले गई, जहां आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई से विभाग में हड़कंप मच गया है।

फर्जी सर्टिफिकेट पर नौकरी, हाईकोर्ट सख्त, अपीलें खारिज

» धोखाधड़ी और न्याय साथ नहीं चल सकते कोर्ट की कड़ी टिप्पणी

» फर्जी प्रमाणपत्र से मिली नियुक्ति शून्य, विभागीय जांच जरूरी नहीं

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने फर्जी शैक्षिक प्रमाणपत्र के आधार पर नौकरी पाने वाले आबकारी सिपाहियों को राहत देने से साफ इनकार कर दिया है। मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली और न्यायमूर्ति क्षितिज शैलेन्द्र की खंडपीठ ने जावेद खान, नजीब अली और मुश्ताक उल्लाह की विशेष अपीलों को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया। कोर्ट ने दो टूक कहा धोखाधड़ी और न्याय साथ नहीं चल सकते।

मामला वर्ष 2010 में हुई आबकारी सिपाहियों की नियुक्ति से जुड़ा है। जांच में सामने आया कि अभ्यर्थियों द्वारा प्रस्तुत 'अधिकारी परीक्षा' का प्रमाणपत्र फर्जी और अवैध था। इसी आधार पर उनकी सेवाएं समाप्त कर दी गई थीं, जिसे याचियों ने अदालत में चुनौती दी थी। हालांकि, एकल पीठ ने भी राहत देने से इंकार कर दिया था, जिसके खिलाफ विशेष अपील दायर की गई थी।

खंडपीठ ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि संबंधित संस्थान में उस अवधि के दौरान कोई परीक्षा आयोजित ही नहीं हुई थी, जिससे प्रमाणपत्र पूरी तरह फर्जी साबित हुआ।

कोर्ट ने कहा कि ऐसे मामलों में नियुक्ति स्वतः शून्य मानी जाएगी और यदि नौकरी धोखाधड़ी से हासिल की गई हो तो विभागीय जांच की आवश्यकता भी नहीं होती। सुप्रीम कोर्ट के कई फैसलों का हवाला देते हुए हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि जब मूल प्रमाणपत्र ही अवैध है, तो उसकी समकक्षता पर बहस करना निरर्थक है।

चक्रवाती तूफान से अयोध्या में एक की मौत, बिजली-आवागमन ठप

गांव से शहर तक तबाही, पेड़-पोल गिरे, बराव गांव में दर्दनाक हादसा, मौसम विभाग का अलर्ट जारी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। जनपद में आए चक्रवाती तूफान ने जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। तेज आंधी और बारिश के कारण मिल्कीपुर, रुदौली, सोहावल, बीकापुर, तारुन, कुचेरा बाजार, मवई, खण्डासा और अमानीगंज सहित कई क्षेत्रों में भारी तबाही देखी गई। जगह-जगह पेड़ और बिजली के पोल गिरने से व्यापक स्तर पर बिजली आपूर्ति ठप हो गई है, जिससे ग्रामीण इलाकों में बुधवार शाम से अंधेरा पसरा हुआ है।

तूफान का असर शहर से लेकर गांव तक समान रूप से देखने को मिला। कई प्रमुख मार्गों पर पेड़ गिरने से आवागमन बाधित हो गया है।

सड़कों पर गिरे पेड़ों को हटाने के लिए वन विभाग और प्रशासन की टीमें लगातार काम कर रही हैं, लेकिन हालात सामान्य होने में समय लग सकता है। इसी बीच तारुन थाना क्षेत्र के बराव गांव में एक दर्दनाक हादसा हो गया। तेज तूफान के दौरान एक पेड़ की भारी डाल गिरने से 60 वर्षीय बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई।

घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

।उधर, आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मौसम वैज्ञानिकों ने आगामी घंटों में मौसम और बिगड़ने की आशंका जताई है।

उनके अनुसार अयोध्या के साथ अमेठी, सुल्तानपुर और आंबेडकर नगर में मेघगर्जन, आकाशीय बिजली और 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ बारिश हो सकती है। प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने, सुरक्षित स्थानों पर रहने और अनावश्यक रूप से बाहर न निकलने की अपील की है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

19 दिन बाद वतन लौटा सुरेन्द्र का शव, रुश्दी मियां बने दुख में सहारा

सऊदी में मौत के बाद परिवार भटकता रहा, पूर्व मंत्री ने संभाली पूरी जिम्मेदारी

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। रुदौली क्षेत्र के पूरे परसन गांव निवासी सुरेन्द्र लोधी की सऊदी अरब में हुई मौत के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। परिजन मदद के लिए अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के चक्कर लगाते रहे, लेकिन राहत नहीं मिली। ऐसे समय में समाजवादी पार्टी के पूर्व मंत्री सैयद अब्बास अली जैदी उर्फ रुश्दी मियां पीड़ित परिवार के साथ खड़े नजर आए।

पूर्व मंत्री ने परिवार को आर्थिक सहायता देने के साथ ही शव को भारत लाने की पूरी जिम्मेदारी उठाई। उनके प्रयासों से मेराज अंसारी को सऊदी भेजा गया,

मृतक सुरेन्द्र की फाइल फोटो

जहां कानूनी प्रक्रियाएं पूरी कर करीब 19 दिन बाद सुरेन्द्र का पार्थिव शरीर भारत लाया जा सका। रुश्दी मियां स्वयं लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचे और शव को सम्मानपूर्वक गांव तक पहुंचाया। गांव में शव पहुंचते ही शोक की लहर दौड़ गई। अंतिम दर्शन के लिए बड़ी संख्या में लोग उमड़े। मृतक के पिता रामदेव लोधी समेत क्षेत्रवासियों ने पूर्व मंत्री की मानवीय पहल पर आभार जताया।

अयोध्या मेडिकल कॉलेज में डॉक्टर साहब का 'आपातकाल'!

» पत्रकार को बताया दलाल, बोले डीएम-सीएम किसी से नहीं डरता

» जूता लेकर जेई को दौड़ाने के बाद अब पत्रकार पर चढ़ा 'डॉक्टरी रौब'

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। राजर्षि दशरथ स्वशासी चिकित्सा महाविद्यालय एक बार फिर सुर्खियों में है और वजह इलाज नहीं, बल्कि डॉक्टर साहब का 'अलौकिक आत्मविश्वास' है। ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. डीके सिंह पर आरोप है कि उन्होंने खबर के लिए जानकारी मांगने वाले वरिष्ठ पत्रकार कुशल चन्द्र मिश्र को फोन पर दलाल कह दिया।बताया जाता है कि पत्रकार मेडिकल कॉलेज में शासन के आदेशों की अनदेखी से जुड़ी खबर पर पक्ष लेने के लिए फोन कर रहे थे। पहले फोन नहीं उठा, फिर डॉक्टर साहब ने खुद कॉल बैक किया और कथित तौर पर अपशब्दों की ऐसी मेडिकल डोज दे डाली कि पत्रकारिता भी शर्मिंदा हो जाए। इतना ही नहीं, जब पत्रकार ने डीएम से शिकायत की बात कही तो जवाब मिला मैं किसी डीएम-सीएम से नहीं डरता।

गौरतलब है कि यही डॉक्टर साहब पहले एक जेई को जूता लेकर दौड़ाने के आरोप में चर्चा बटोर चुके हैं।

अब सवाल यह है कि मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है या 'अहंकार चिकित्सा मिशन'? पत्रकार ने मामले की शिकायत शासन और जिलाधिकारी से करने के साथ कार्रवाई न होने पर धरने की चेतावनी दी है।

रामनगरी में 'खाकी का रौब'! हाईकोर्ट की अधिवक्ता तक नहीं सुरक्षित?

सिपाही पर अभद्रता का आरोप, गाड़ी रोककर दी गालियां, सीएम पोर्टल तक पहुंची शिकायत

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। रामनगरी में स्थानीय लोगों के साथ पुलिस की कथित बदसलूकी के आरोप थमने का नाम नहीं ले रहे।

अब मामला हाईकोर्ट की अधिवक्ता श्वेता राज सिंह से जुड़ गया है। आरोप है कि उदया चौराहे पर एक सिपाही ने फिल्मी अंदाज में मोटरसाइकिल गाड़ी के आगे लगाकर उन्हें रोका और फिर अभद्र भाषा से गालियों की बौछार कर दी।

अधिवक्ता का आरोप है कि सिपाही लगातार अमर्यादित शब्दों का प्रयोग करता रहा। पूरे मामले की शिकायत मुख्यमंत्री पोर्टल पर की गई है। सोशल मीडिया पर जारी वीडियो बयान में अधिवक्ता ने पुलिस व्यवहार पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

गौरतलब है कि अयोध्या में स्थानीय नागरिकों की समस्याओं और पुलिसिया रवैये को लेकर पहले भी आवाज उठती रही है।

संत मिथिलेश नंदनी शरण भी जिला प्रशासन और पुलिस पर गंभीर आरोप लगा चुके हैं। मुख्यमंत्री के आगमन से पहले खाकी पर लगे इन नए आरोपों ने पुलिस की कार्यशैली पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है।

ईरान को ट्रंप का साफ संदेश गारंटी दो, तभी डील

परमाणु 'रेड लाइन' पर अड़ा अमेरिका

स्वराज इंडिया न्यूज डेस्क

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया की राजनीति एक बार फिर उबाल पर है। डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ संभावित समझौते को लेकर बेहद सख्त रुख अपनाते हुए साफ कर दिया है कि 'नो न्यूक्लियर' की ठोस और सत्यापित गारंटी के बिना कोई भी डील संभव नहीं होगी। यह बयान ऐसे समय आया है जब क्षेत्र में तनाव लगातार बढ़ रहा है और कूटनीतिक प्रयास बार-बार विफल होते नजर आ रहे हैं।

अमेरिका का यह रुख वैश्विक स्तर पर एक स्पष्ट संदेश देता है कि परमाणु हथियारों के मुद्दे पर अब कोई समझौता या लचीलापन नहीं दिखाया जाएगा। ट्रंप प्रशासन ने साफ शब्दों में कहा है कि अगर तेहरान अपनी परमाणु गतिविधियों को पूरी तरह बंद करने की गारंटी नहीं देता, तो बातचीत आगे नहीं बढ़ेगी।

दूसरी ओर, ईरान ने हाल ही में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को खोलने और क्षेत्र में सैन्य तनाव कम करने का प्रस्ताव रखा था। ईरान की ओर से यह भी कहा गया कि परमाणु मुद्दे पर चर्चा बाद में की जा सकती है। लेकिन अमेरिका ने इस प्रस्ताव को सिरे से खारिज कर दिया। इससे दोनों देशों के बीच अविश्वास और गहरा गया है।

इस टकराव का असर सिर्फ कूटनीति तक सीमित नहीं है। वैश्विक बाजारों में भी इसका असर साफ दिख रहा है। कच्चे तेल की कीमतों में उछाल की आशंका बढ़ गई है, क्योंकि होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया की सबसे अहम तेल आपूर्ति लाइनों में से एक है। यहां किसी भी तरह का तनाव सीधे ऊर्जा संकट को जन्म दे सकता है।

- अमेरिका ने 'नो न्यूक्लियर गारंटी' को डील की अनिवार्य शर्त बनाया
- ईरान का होर्मुज खोलने का प्रस्ताव ठुकराया गया
- परमाणु मुद्दे पर अमेरिका ने कोई नरमी नहीं दिखाई
- वैश्विक बाजार में तेल कीमतों में उछाल की आशंका
- यूएसएस गेराल्ड आर फोर्ड की 309 दिन की तैनाती समाप्त
- तकनीकी समस्याओं के चलते कैरियर की वापसी
- मिडिल ईस्ट में सैन्य संतुलन पर नए सवाल
- कूटनीतिक समाधान की संभावनाएं और कमजोर हुईं

होर्मुज से 'सुपर कैरियर' की वापसीः रणनीति या मजबूरी?:

तनाव के बीच संयुक्त राज्य अमेरिका ने अपने अत्याधुनिक एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस गेराल्ड आर फोर्ड को होर्मुज क्षेत्र से वापस बुलाने का फैसला किया है। यह कदम अंतरराष्ट्रीय रणनीतिक हलकों में कई सवाल खड़े कर रहा है। करीब 309 दिनों तक लगातार तैनाती के बाद इस सुपर कैरियर को हटाया जा रहा है, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। यह युद्धपोत जून में रवाना हुआ था और यूरोप, कैरिबियन से लेकर अरब सागर तक सक्रिय रहा। हालांकि, लंबे समय तक समुद्र में रहने के कारण इसमें तकनीकी समस्याएं भी सामने आईं। हाल ही में जहाज के लॉन्ड्री सेक्शन में आग लगने की घटना में कुछ अमेरिकी सैनिक घायल भी हुए थे।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह वापसी सिर्फ तकनीकी कारणों से नहीं, बल्कि एक बड़े रणनीतिक पुनर्संतुलन का हिस्सा भी हो सकती है। सवाल यह है कि क्या अमेरिका अपनी सैन्य उपस्थिति कम कर रहा है या फिर किसी नई रणनीति की तैयारी कर रहा है? अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ती तल्खी अब सिर्फ क्षेत्रीय मुद्दा नहीं रही, बल्कि यह वैश्विक स्थिरता के लिए चुनौती बनती जा रही है। परमाणु मुद्दे पर सख्ती, सैन्य गतिविधियों में बदलाव और कूटनीतिक असफलताएं ये सभी संकेत एक बड़े भू-राजनीतिक संघर्ष की ओर इशारा कर रहे हैं। आने वाले दिनों में यह देखना अहम होगा कि क्या बातचीत की कोई नई राह निकलती है या दुनिया एक और संकट की ओर बढ़ती है।

शिवाजीनगर में दर्दनाक हादसा, जन्मदिन की खुशियां मातम में बदलीं, लापरवाही पर उठे सवाल

बेंगलुरु में बारिश का कहर: अस्पताल की दीवार ढही, 7 की मौत, 9 घायल

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बेंगलुरु। कर्नाटक की राजधानी में बुधवार शाम आई तेज आंधी और मूसलाधार बारिश ने शहर को दहला दिया। शिवाजीनगर स्थित बॉरिंग अस्पताल परिसर की एक दीवार अचानक भरभराकर गिर गई, जिससे वहां मौजूद लोग मलबे में दब गए। इस भयावह हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 9 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। बीते दो दशकों में बारिश से जुड़ी यह शहर की सबसे बड़ी त्रासदियों में से एक मानी जा रही है।

हादसे ने कई परिवारों को गहरा जख्म दिया है। मृतकों में 6 साल की मासूम मुस्कफिरा भी शामिल है, जो अपने सातवें जन्मदिन की तैयारी के लिए घर से निकली थी। लेकिन अचानक आए इस हादसे ने खुशियों को मातम में बदल दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तेज

- तेज आंधी-बारिश के दौरान अस्पताल की दीवार गिरी
- हादसे में 7 लोगों की मौत, 9 घायल
- मृतकों में 6 साल की बच्ची भी शामिल
- केरल, यूपी, असम के लोग भी हादसे का शिकार
- बारिश से बचने के लिए दीवार के पास खड़े थे लोग
- सीएम ने 5-5 लाख मुआवजे का ऐलान किया
- लापरवाही और निर्माण सामग्री के दबाव की आशंका

बारिश से बचने के लिए लोग अस्पताल की दीवार के पास खड़े हो गए थे। तभी अचानक दीवार गिर गई और लोग उसके नीचे दब गए। मरने वालों में केरल की दो महिला पर्यटक, उत्तर प्रदेश और असम के प्रवासी वेंडर और स्थानीय

दुकानदार शामिल हैं। हादसे के बाद राहत और बचाव कार्य तेजी से चलाया गया और घायलों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। घटना के बाद मुख्यमंत्री सिद्धारमैया मौके पर पहुंचे और मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। उन्होंने प्रारंभिक जांच में लापरवाही के संकेत देते हुए कहा कि दीवार के पास रखी निर्माण सामग्री, खासकर रेत के दबाव के कारण यह हादसा हुआ हो सकता है। मामले की गहन जांच के आदेश दे दिए गए हैं। वहीं, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने इसे प्राकृतिक आपदा करार देते हुए नगर निगम की लापरवाही से इनकार किया है। हालांकि, इस दर्दनाक घटना ने शहर में निर्माण कार्यों की निगरानी और सुरक्षा व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

टाइमलाइन

- **शाम 5:30 बजे:** बेंगलुरु में तेज आंधी और बारिश शुरू
- **शाम 6:15 बजे:** शिवाजीनगर में लोग दीवार के पास जमा हुए
- **शाम 6:30 बजे:** अस्पताल की दीवार अचानक ढही
- **शाम 6:45 बजे:** स्थानीय लोगों ने बचाव कार्य शुरू किया
- **शाम 7:15 बजे:** पुलिस और राहत टीम मौके पर पहुंची
- **रात 8:00 बजे:** घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया
- **रात 9:30 बजे:** सीएम ने घटनास्थल का दौरा कर जांच के आदेश दिए

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **सपना देवी** द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर-208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादकः अनूप कुमार** **RNI No.:** UPHIN/2023/86739 ❍ **Email:** swarajindia2023@gmail.com ❍ Mob: 7800009853, ❍ **Website:** www.swarajindianews.com ❍ (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे) **प्रधान संपादकः पुरुषोत्तम द्विवेदी**

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com